RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026
संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय
13 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ● 3 सितंबर , 2025 वर्ष:-13 अंक -126 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

इंदौर से उज्जैन तक बनेगा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे

● नल जल योजना को लेकर भी मोहन कैबिनेट का बड़ा फैसला

भोपाल। एमपी कैबिनेट की मीटिंग में कई अहम फैसले हुए हैं। सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की मीटिंग हुई है। कैबिनेट ने नल जल योजना के लिए 8000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कैबिनेट ने इंदौर से उज्जैन तक ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे पर सर्विस रोड बनाने की स्वीकृति प्रदान की है। उज्जैन में एक नया ओवरब्रिज बनाने का भी निर्णय लिया गया। इंदौर से उज्जैन के बीच एक नया फोरलेन रोड बनेगा। पहले यह सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग बनाने वाला था। अब इसकी लागत बढ़कर 2935.15 करोड़ हो गई है। इसलिए इसे हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल से बनाया जाएगा। इस फोरलेन में 48 किमी

लंबी सड़क होगी। इसमें पेवर्ड शोल्डर, सर्विस रोड, अंडरपास, फ्लाईओवर और जंक्शन भी बनाए जाएंगे। यह काम 17 महीने में पूरा होगा। वहीं, नर्मदापुरम से टिमरनी तक 72 किमी लंबा रोड भी हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल से बनेगा। इस पर 972.16 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसमें अंडरपास, फ्लाईओवर और जंक्शन भी शामिल हैं। उज्जैन के हरिफाटक आरओबी पर अभी टू लेन ब्रिज है।

● **जल जीवन मिशन की योजनाओं में 2,813 करोड़ वृद्धि का अनुमोदन**- मंत्रि-परिषद ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदेश में जल जीवन मिशन अंतर्गत पुनरीक्षित योजनाओं में प्रस्तावित लागत में वृद्धि राशि 2,813 करोड़ 21 लाख रुपये राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने का अनुमोदन किया, जो लगभग 13.55 प्रतिशत है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 20 हजार 765 करोड़ रुपये लागत की 27 हजार 990 एकल ग्राम नल जल योजनाओं और 60 हजार 786 करोड़ रुपये लागत की 148 समूह जल प्रदाय योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत 27 हजार 990 योजनाओं में से 15 हजार 947 ग्रामों की योजनाएं पूर्ण हो चुकी है और 12 हजार 43 योजनाओं के कार्य विभिन्न चरणों में प्रगतिरत हैं। अभी तक कुल 8 हजार 358 योजनाओं के पुनरीक्षण की आवश्यकता हुई है।

नीतिश के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, चिराग का भी साथ

● सहरसा पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन बोले-सब तय हो चुका है

सहरसा (एजेंसी)। भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन मंगलवार को सहरसा पहुंचे। जहां वे पूजा बैंक्विट हॉल में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। बिहार में एनडीए के सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, सब तय हो चुका है, सिर्फ आधिकारिक घोषणा बाकी है। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के नेतृत्व में एनडीए पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगा। बीजेपी, जेडीयू, लोजपा (रामविलास), चिराग पासवान की पार्टी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी मिलकर मैदान में उतरेंगे। इस बार चिराग की रोशनी एनडीए को ही मिलने वाली है।

जिन वाहनों पर एचएसआरपी नहीं, उन्हें नहीं मिलेंगी सुविधाएं

● हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट में ढिलाई पर रद्द होगा डीलर्स का ट्रेड लाइसेंस

भोपाल। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) सभी वाहनों में न लगवा पाने के कारण मप्र का अन्य राज्यों से औसत कम है। इस कारण मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज (मॉर्थ) ने परिवहन विभाग को 3 महीने में बाकी बचे वाहनों पर

एचएसआरपी लगवाने के निर्देश दिए हैं। इसमें 1 अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड वाहनों में एचएसआरपी लगवाना और 1 अप्रैल 2019 के बाद के रजिस्टर्ड वाहनों में डीलर्स द्वारा नंबर प्लेट लगवाकर उन्हें सियाम पोर्टल पर अपलोड करवाना शामिल हैं। इसके बाद परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने प्रदेश के सभी आरटीओ की बैठक लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इधर, भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने भी शोरूम डीलर्स के साथ बैठक कर ली है। इसमें एचएसआरपी जल्द लगवाने की व्यवस्था करने को कहा है। तीन महीने में यदि वाहन मालिकों ने 1 अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड अपने वाहनों में एचएसआरपी नहीं लगवाई तो उन्हें परिवहन विभाग से मिलने वाली 15 तरह की सेवाएं नहीं मिलेंगी। 2019 के बाद लाइसेंस भी निरस्त होंगे।

पंजाब में बारिश अपार हर ओर मचा हाहाकार

● 12 जिलों में बाढ़ का कहर, 29 लोगों की मौत

उत्तराखंड में स्कूल बंद, दिल्ली में उफनाई यमुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश जारी है। पंजाब के पठानकोट, फिरोजपुर समेत 12 जिले एक हफ्ते से बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में 1,312 गांवों के 2.56 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है। भिवानी, हिसार, सिरसा, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला में आज कुछ स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। गुरुग्राम के दफ्तरों में कर्मचारियों को वर्कफ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं। उधर, दिल्ली में यमुना नदी के खतरे के निशान को पार करने के बाद मंगलवार को ट्रांस-यमुना क्षेत्र की कई कॉलोनियों में पानी घुस गया। यमुना बाजार, मयूर विहार और आसपास के इलाकों की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अपना जरूरी सामान लेकर राहत शिविरों में जाने की अपील की है। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। सोमवार को उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर लैंडस्लाइड से दो लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए।

भारी बारिश के कारण चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश में इस साल अगस्त की बारिश ने 76 साल का रिकॉर्ड तोड़ा दिया। बीते महीने सामान्य से 68 फीसदी ज्यादा (256.8 सेमी) बारिश हुई। यह 1949 के बाद से सबसे ज्यादा है। शिमला में पिछले 24 घंटे में लैंडस्लाइड और मकान गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है।

मौसम विभाग ने मंगलवार को हिमाचल के 6 जिलों में बहुत तेज बारिश का रेड अलर्ट है। 8 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। आगरा में यमुना एक बार फिर उफान पर है। नदी पानी ताजमहल की बाउंड्री तक पहुंच गया है। वहीं, कैलाश घाट, बल्केश्वर घाट, हाथी घाट और दहशरा घाट की सीढ़ियों सहित शमशान घाट के 8 चितास्थल डूब गए हैं।

हिंदू कहते हैं जिहादी हो तुम, पाकिस्तान चले जाओः जावेद अख्तर

● मुस्लिम कट्टरपंथी के लिए मैं काफिर, करते हैं विरोध ● कोलकाता विवाद पर छलका दर्द

मुंबई (एजेंसी)। गीतकार जावेद अख्तर ने पश्चिम बंगाल उर्दू अकैडमी के मुशायरे में चीफ गेस्ट बनाए जाने पर बवाल पर बड़े शानदार लहजे में जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि विचारों के लिए विरोध का सामना करना उनके लिए कोई नया नहीं है। हिंदू कट्टरपंथी उन्हें जिहादी बताकर पाकिस्तान जाने को कहते हैं और मुस्लिम कट्टरपंथी काफिर बताकर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि वह खुद को धर्मनिरपेक्ष भारतीय मानते हैं और समाज को नुकसान पहुंचा रहे विषयों पर अपनी राय रखते हैं। पश्चिम बंगाल उर्दू अकैडमी को कोलकाता में हिंदी सिनेमा में उर्दू टॉपिक पर चार दिवसीय प्रोग्राम करने का ऐलान किया था। 31 अगस्त से शुरू होने वाले इस प्रोग्राम में जावेद अख्तर को निमंत्रण दिया गया था। जमीयत उलेमा ए हिंद ने

इस कार्यक्रम में जावेद अख्तर की मौजूदगी पर आपत्ति जताई थी। जमीयत नेताओं ने उन्हें मुसलमानों का विरोध करने वाला शैतान और काफिर बताया था। विवाद शुरू होते ही उर्दू अकैडमी ने बिना कारण बताए समारोह को कैंसल कर दिया। इसके बाद से अचानक जावेद अख्तर सुर्खियों में आ गए।

मराठा आरक्षण आंदोलन

जरांगे को आजाद मैदान खाली करने के आदेश

● बॉम्बे हाईकोर्ट में कहा- लॉ एंड ऑर्डर नहीं बिगड़ेगा ● कोर्ट ने राज्य सरकार को भी जमकर लगाई फटकार

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता और उनके समर्थकों को आज आजाद मैदान खाली करने से राहत मिली है। मामले में सुनवाई बुधवार दोपहर 1 बजे तक टाली गई है।

मंगलवार को एक्टिंग चीफ जस्टिस श्री चंद्रशेखर और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने दो बार सुनवाई की। बेंच ने जरांगे और उनके समर्थकों को मंगलवार दोपहर 3 बजे तक आजाद मैदान

खाली करने के आदेश दिए थे। इसका बाद भारी संख्या में पुलिसबल मैदान पहुंचने लगा था। दोपहर 3 बजे के बाद मामले में दूसरी बार सुनवाई हुई जिसमें वह तैयार हो गए।

● **आपके प्रदर्शनकारी सड़क पर नाच रहे थे**- बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को मुंबई के आजाद मैदान में आमरण अनशन जारी रखने पर मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने जरांगे और सभी प्रदर्शनकारियों को आज दोपहर 3 बजे से पहले आजाद मैदान खाली करने का आदेश दिया था। एक्टिंग चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने कहा, अगर 3 बजे तक आजाद मैदान खाली नहीं हुआ को प्रदर्शनकारियों पर कठोर जुर्माना, अदालत की अवमानना की कार्यवाही और अन्य कार्रवाई की जाएगी।

शहरी क्षेत्रों की सड़कों के निर्माण में रखी जाए पारदर्शिता

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि आगामी त्यौहारों के सीजन को देखते हुए सड़क मरम्मत से जुड़े कार्यों को विभाग प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में सड़क पर बोर्ड के माध्यम से निर्माण एजेंसी और निविदा शर्तों के बारे में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को उससे जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जाये। मंत्री श्री विजयवर्गीय सोमवार को मंत्रालय में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री कैलाश ने बताया कि शहरी क्षेत्रों पर लगातार आबादी का दबाव बढ़ रहा है। इसका असर शहरी क्षेत्र की अधोसंरचना पर पड़ रहा है।

आर्थिक स्वार्थ से अर्थव्यवस्था में कई चुनौतियां आईं: पीएम

● पीएम ने कहा-भारतीय जीडीपी फिर भी 7.8 फीसदी बढ़ी

● कहा-एक दिन दुनिया कहेगी मेड इन इंडिया, ट्रस्टेड बाय वर्ल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में सेमीकॉन इंडिया-2025 का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज पूरी दुनिया भारत पर भरोसा करती है। दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। मोदी ने आगे कहा, एक तरफ जब दुनिया भर की इकोनॉमी में चिंताएं हैं। आर्थिक स्वार्थ से पैदा हुई चुनौतियां हैं। उस माहौल के बावजूद भारत ने इस साल के पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की ग्रोथ रेट हासिल करके दिखाया है। यह वृद्धि मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस, कृषि और निर्माण सहित हर सेक्टर दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत अब बैकएंड से निकलकर एक फुल-स्केल सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की राह पर है। हम सभी निवेशकों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। वो दिन दूर नहीं, जब दुनिया कहेगी, डिजाइन्ड इन इंडिया, मेड इन इंडिया एंड ट्रस्टेड बाय वर्ल्ड।

सावधान! संभलकर रहिएगा, आ रहा ला नीना

● मूसलाधार बारिश के बाद अबकी हाड़ कंपाएगी ठंड ● डब्ल्यूएमओ की भविष्यवाणी, अभी और होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश की वजह से बाढ़ के हालात हैं। खासकर पंजाब-हरियाणा में हालात बदतर हो चले हैं। इस बीच, विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने ताजा जानकारी देते हुए पूर्वानुमान जताया है कि सितंबर में और अधिक बारिश हो सकती है और इस साल कड़ाके की ठंड पड़ सकती है क्योंकि 'ला नीना' सितंबर में वापस आ रहा है। इसका मौसम और जलवायु प्रणाली पर गंभीर असर पड़ता है। ला नीना के प्रभाव से ठंड के दिनों में तापमान में बड़ी गिरावट होने की संभावना रहती है। इससे उत्तर भारत में हांड़ कंपाने वाली ठंड का दौर भी रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'ला नीना' के अस्थायी शीतलन प्रभाव (यानी ठंडा करने के प्रभाव) के बावजूद दुनिया के अधिकतर हिस्सों में वैश्विक तापमान अब भी औसत से अधिक रहने की संभावना है। बता दें कि 'ला नीना' और 'अल नीनो' प्रशांत महासागर के जलवायु चक्र के दो विपरीत चरण हैं। अल नीनो पेरू के निकट समुद्री जल के समय-समय पर गर्म होने को संदर्भित करता है जो भारत में मॉनसून को अक्सर कमजोर करता है और इसके कारण सर्दियां अपेक्षाकृत गर्म रहती है। वहीं, ला नीना इस जल को ठंडा करता है, जिससे भारत में आमतौर पर मॉनसून बहुत मजबूत होता है और मूसलाधार बारिश होती है। इसके अलावा सर्दियों में अन्य सालों के मुकाबले अपेक्षाकृत ज्यादा और कड़ाके की ठंड पड़ती है।

● **अक्टूबर से दिसंबर के बीच ला नीना की संभावना**

यानी अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच ला नीना की संभावना लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ती दिखती है, जबकि अल नीनो की संभावना कम रहती है। विश्व मौसम संगठन की महासचिव सेलेस्टे साउलो ने कहा, ''अल नीनो और ला नीना के मौसमी पूर्वानुमान और हमारे मौसम पर उनके प्रभाव एक महत्वपूर्ण जलवायु उपकरण हैं। ये पूर्वानुमान कृषि, ऊर्जा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लाखों डॉलर की आर्थिक बचत के रूप में तब्दील होते हैं और जब इनका इस्तेमाल, तैयारी एवं प्रतिक्रिया कार्यों के मार्गदर्शन में किया जाता है तो हजारों लोगों की जान बच जाती है।''

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 3 सितंबर , 2025

बच्ची को अगवा कर ले गया घर

दरवाजा बंद कर बुझाई हवस की प्यास

पन्ना। जिले में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक मासूम बच्ची को उसके ही घर के बाहर से अगवा किया गया। इतना ही नहीं उसके साथ हैवानियत की गई। लेकिन इस दौरान एक 16 वर्षीय लड़की ने फरिश्ता बनकर मासूम की जान बचा ली। समय रहते बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर पड़ोस में रहने वाली नाबालिग ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी से बच्ची को बचा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तनाव फैल गया। परिजनों ने तुरंत थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।यह पूरी घटना देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि पीड़ित बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी अचानक एक वहशी दरिंदे ने उसे अपनी हवस के चकते बहला फुसला कर घर ले गया और दोनों तरफ के दरवाजे लगाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बीच बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर पास की एक 16 वर्षीय लड़की ने बहादुरी का परिचय दिया।वह तुरंत दीवार फांदकर उस घर में कूद गई, जहां बच्ची के साथ यह जघन्य अपराध हो रहा था। उसने बिना डरे आरोपी का सामना किया और मासूम को उसके चंगुल से छुड़ाया। इस घटना ने एक बार फिर समाज को झकझोर कर रख दिया है। एसपी साईं कृष्णा थोटा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। वहीं सपा ने भी 16 वर्षीय बच्ची की सराहना की और कहा कि उसे पुरस्कार करने के लिए भी उच्च अधिकारियों से निवेदन किया है।

सनसनीखेज मामला

भाई को मारने की धमकी देकर युवती से दुष्कर्म

- अश्लील वीडियो बनाकर शादी और धर्म परिवर्तन का दबाव, आरोपी फरार

दमोह। जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। यहां पटेरा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने आरोप लगाया है कि उसके पड़ोस में रहने वाले युवक राशिद खान ने न केवल उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया बल्कि उसका अश्लील वीडियो बनाकर शादी और धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया। इतना ही नहीं आरोपी ने धमकी दी कि अगर युवती ने विरोध किया तो उसके भाई की हत्या कर दी जाएगी। पीड़िता के अनुसार आरोपी कई दिनों तक उसे ब्लैकमेल करता रहा। जबरन बनाए गए फोटो और वीडियो के सहारे वह लगातार उसे अपनी बात मानने के लिए मजबूर करता। इस दौरान युवक ने कई बार उसके साथ जबरदस्ती की। हालत तब और बिगड़ गई जब युवती की शादी हो गई। इसके बावजूद आरोपी ने दबाव बनाना बंद नहीं किया। उसने शादीशुदा युवती से संबंध बनाने और धर्म परिवर्तन कर विवाह करने के लिए लगातार धमकाया। जब युवती ने आरोपी की बात मानने से इंकार कर दिया, तो राशिद खान ने अपनी फेसबुक आईडी से उसका अश्लील वीडियो और फोटो वायरल कर दिए। इससे पीड़िता टूट गई और उसने साहस जुटाकर अपने पति और परिवार वालों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन युवती को लेकर सीधे पटेरा थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी सरोज सिंह ने बताया कि आरोपी राशिद खान के खिलाफ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, धमकी और आईटी एक्ट सहित कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई थी। इस घटना ने न केवल इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है, बल्कि समाज में आक्रोश भी बढ़ गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब तक मासूम लड़कियां इस तरह के अपराधियों का शिकार बनती रहेंगी। पुलिस की ओर से आरोपी को जल्द पकड़ने और कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 230वीं पुण्यतिथि पर भव्य पालकी यात्रा

- सचिन तेंदुलकर परिवार सहित हुए शामिल, शहर गूंजा जयघोष से

खरगोन। मध्यप्रदेश के खरगोन शहर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 230वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को एक भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक और धार्मिक अवसर पर देश के महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजलि तेंदुलकर और बेटी सारा तेंदुलकर सहित परिजनों के साथ पहुंचे और लोकमाता अहिल्याबाई को नमन किया। सचिन तेंदुलकर ने सपत्नीक पालकी की पूजा अर्चना की और लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की राजधानी के वंशजों के साथ दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पालकी यात्रा के दौरान वे भगवान श्री राजराजेश्वर और काशी विश्वनाथ मंदिर भी पहुंचे, जहां उन्होंने दर्शन कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। तेंदुलकर ने अपनी मां के लिए मंदिर से शिवलिंग लेने की इच्छा जताई, जिस पर मंदिर के पुजारी सागरगिरी महंत ने उन्हें यह भेंट स्वरूप दिया। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव ने सचिन तेंदुलकर को लोकमाता अहिल्या बाई की प्रतिमा भेंट कर उनका सम्मान किया। पालकी यात्रा देवी अहिल्या उत्कृष्ट विद्यालय परिसर से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए निकली। फूलों से सजी पालकी में लोकमाता अहिल्या बाई की प्रतिमा को विराजमान किया गया था। जैसे ही यह यात्रा शहर के रास्तों से गुजरी, विभिन्न सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया। पूरा शहर ÷देवी मां अमर रहें÷ और ÷राजमाता अहिल्याबाई की जय÷ के नारों से गूंज उठा। भव्य पालकी यात्रा का समापन कुंदा नदी के तट पर हुआ, जहां हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने देवी अहिल्या बाई को अपनी श्रद्धा और सम्मान अर्पित किया। इस आयोजन को लोकमाता अहिल्या बाई के आदर्शों और मूल्यों को याद करने तथा आने वाली पीढ़ियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर माना गया।

मेडिकल कारोबारी राजेश गुप्ता के ठिकानों पर IT की बड़ी कार्रवाई

- SBI की टीम भी जांच में शामिल, भारी टैक्स चोरी के दस्तावेज बरामद

भोपाल। राजधानी में मंगलवार को मेडिकल कारोबारी राजेश गुप्ता के ठिकानों पर इनकम टैक्स विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। छापेमारी की इस कार्यवाही ने शहरभर में हलचल मचा दी। आईटी की कार्रवाई के बाद भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की टीम भी राजेश गुप्ता के घर पहुंची और अधिकारियों के साथ जांच में शामिल हो गई। इनकम टैक्स विभाग कड़ी सुरक्षा के बीच कारोबारी राजेश गुप्ता को इंदौर लेकर गया है, जहां आगे की पूछताछ और जांच की जा रही है। इस दौरान SBI के अफसर भी उनके साथ मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, राजेश गुप्ता महंगी गाड़ियों के शौकीन हैं और उनका कारोबारी साम्राज्य देश-विदेश तक फैला हुआ है। आईटी विभाग ने भोपाल के लालघाटी स्थित पंचवटी पार्क, रचना नगर और अयोध्या बायपास पर स्थित ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। साथ ही गौतम नगर स्थित साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़े संस्थानों पर भी तलाशी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। कार्रवाई के दौरान आयकर विभाग को भारी मात्रा में टैक्स चोरी से जुड़े दस्तावेज और संदिग्ध लेन-देन के रिकॉर्ड मिले हैं।

शहडोल में कांग्रेस पोस्टर विवाद से मचा बवाल

नए जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी के स्वागत पोस्टर पर कालिख पोती, कार्यकर्ताओं में आक्रोश

शहडोल। जिले की कोयलांचल नगरी धनपुरी में कांग्रेस संगठन की राजनीति अचानक गरमा गई, जब नवनिर्वाचित जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय अवस्थी के प्रथम आगमन पर लगाए गए स्वागत पोस्टर पर अज्ञात व्यक्ति ने कालिख पोत दी। यह घटना सामने आते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश फैल गया और उन्होंने इसे पार्टी तथा नए नेतृत्व का अपमान बताया। जानकारी के अनुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बुढ़ार और मंडलम कांग्रेस कमेटी अमलाई की ओर से नगर में जगह-जगह अजय अवस्थी के स्वागत में बैनर और पोस्टर लगाए गए थे। इन पोस्टरों पर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की तस्वीरें भी थीं। इसी दौरान एक बड़े पोस्टर पर किसी अज्ञात शरारती तत्व ने स्याही से कालिख पोत दी। घटना का पता चलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे एक सुनियोजित साजिश करार दिया, जिसका मकसद पार्टी की एकता को कमजोर करना और नए जिलाध्यक्ष की छवि धूमिल करना है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस हरकत के पीछे कौन लोग शामिल हैं और उनकी मंशा क्या थी। कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन में अनुशासन बनाए रखने की अपील की है। वहीं उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि अज्ञात आरोपियों की जल्द से जल्द पहचान की जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। इस घटना को लेकर राजनीतिक हलकों में भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कुछ लोग इसे विपक्ष की चाल बता रहे हैं, तो वहीं कुछ इसे कांग्रेस के भीतर आंतरिक गुटबाजी का परिणाम मान रहे हैं। पोस्टर पर कालिख पोते जाने की इस हरकत ने स्थानीय राजनीति में सरगर्मी बढ़ा दी है और अब देखना होगा कि प्रशासन जांच में किस नतीजे पर पहुंचता है।

मध्य प्रदेश में त्योहार अग्रिम बढ़ाने की उठी मांग

16 साल से 4000 पर अटका हुआ है भत्ता, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने CM और CS को लिखा पत्र

भोपाल। प्रदेश के तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने त्योहार अग्रिम की राशि बढ़ाने की मांग उठाई है। संगठन ने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र लिखते हुए कहा है कि महंगाई के इस दौर में 4000 रुपये की राशि कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नाकाफी है और इसे तत्काल बढ़ाया जाना चाहिए। संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने जानकारी दी कि मध्य प्रदेश शासन में कार्यरत तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को बीते 16 साल से मात्र 4000 रुपये त्योहार अग्रिम दिया जा रहा है। यह राशि 10 किस्तों में 6.50त्न ब्याज के साथ वसूल की जाती है। लेकिन अब जबकि लगातार त्यौहार आ रहे हैं और महंगाई ने हर घर का बजट बिगाड़ दिया है, तो यह राशि कर्मचारियों की आवश्यकताओं के लिए बेहद कम साबित हो रही है। तिवारी ने बताया कि त्योहार अग्रिम की शुरुआत 1998 में 600 रुपये से हुई थी, 2003 में इसे 1000 रुपये और 2009 में 4000 रुपये किया गया। लेकिन तब से अब तक इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। जबकि महंगाई दर और खर्चों में कई गुना वृद्धि हो चुकी है। ऐसे में संगठन ने मांग की है कि छत्तीसगढ़ सरकार की तरह मध्य प्रदेश में भी यह राशि बढ़ाकर 10,000 रुपये की जाए। कर्मचारी संघ ने तर्क दिया है कि इस बढ़ोतरी से सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं आएगा, क्योंकि यह पैसा कर्मचारी ब्याज सहित सरकार को लौटाते हैं। इसलिए इसे कर्मचारियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए तुरंत लागू किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि गणतंत्र दिवस, होली, स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, ईद उल फितर, ईद उल जुहा, दशहरा, दीपावली और क्रिसमस जैसे बड़े त्योहारों पर यह अग्रिम राशि दी जाती है। वर्तमान में छठवें वेतनमान के तहत 12,000 रुपये वेतन पाने वाले और सातवें वेतनमान में 30,900 रुपये वेतन पाने वाले कर्मचारी भी केवल 4000 रुपये त्योहार अग्रिम ही ले पाते हैं। ऐसे में कर्मचारियों का मानना है कि त्योहारों पर होने वाले खर्च को देखते हुए अग्रिम राशि को बढ़ाना बेहद जरूरी है।

हाईकोर्ट में बड़ा खुलासा

जज ने सुनवाई के दौरान बताया संजय पाठक ने की थी फोन पर संपर्क की कोशिश

खुद को केस से किया अलग

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा ने बेहद गंभीर खुलासा किया है। जज ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायक संजय पाठक ने केस की सुनवाई से पहले उन्हें फोन पर संपर्क करने की कोशिश की थी। यह मामला जैसे ही कोर्ट में सामने आया, जस्टिस मिश्रा ने पारदर्शिता और न्यायिक गरिमा को बरकरार रखते हुए खुद को इस केस की सुनवाई से अलग करने का फैसला ले लिया। सुनवाई के दौरान अपने आदेश में जस्टिस विशाल मिश्रा ने साफ शब्दों में उल्लेख किया कि संजय पाठक ने इस विशेष मामले पर उनसे संपर्क साधने और चर्चा करने का प्रयास किया है। इस वजह से वह इस याचिका की सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं। उन्होंने आदेश में आगे कहा कि यह मामला माननीय मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया जाए ताकि इसे उपयुक्त पीठ के समक्ष विचारार्थ सूचीबद्ध किया जा सके। गौरतलब है कि यह पूरा मामला अवैध खनन से जुड़ा हुआ है। कटनी निवासी निर्मला पाठक और यश पाठक ने इस संबंध में हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की थी, जिसमें खनन माफियाओं और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी। इसी केस में हस्तक्षेप याचिका संजय पाठक की ओर से भी लगाई गई थी। अदालत में इस पर सुनवाई होने वाली थी, लेकिन उससे पहले ही विधायक संजय पाठक ने कथित तौर पर न्यायमूर्ति मिश्रा को फोन कर बातचीत करने की कोशिश की। जस्टिस मिश्रा का यह खुलासा न केवल मामले को और गंभीर बना देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि किस तरह संवेदनशील मामलों में दबाव बनाने की कोशिश की जाती है। हालांकि, जज द्वारा खुद को मामले से अलग करना न्यायिक व्यवस्था की निष्पक्षता और पारदर्शिता का एक बड़ा उदाहरण है। अब यह मामला मुख्य न्यायाधीश के पास जाएगा और वहां से निर्णय लिया जाएगा कि आगे इसकी सुनवाई किस पीठ द्वारा की जाएगी।

मंत्री विजय शाह ने जीतू पटवारी पर बोला हमला, सोफिया कुरैशी मामले के सवाल पर कही ये बात

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पर बड़ा हमला बोला हैं। उन्होंने कहा कि जिसकी जैसी मानसिकता वैसी उसकी भाषा है। वहीं कर्नल सोफिया कुरैशी वाले मामले में उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।दरअसल, मंगलवार को कैबिनेट मंत्री विजय शाह जबलपुर के प्रवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत की। महिलाओं को शराबी बताने वाले जीतू पटवारी के बयान पर विजय शाह ने हमला बोला हैं। उन्होंने कहा कि जिसकी जैसी मानसिकता वैसी उसकी भाषा है।वहीं कर्नल सोफिया कुरैशी वाले मामले में जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। मंत्री शाह ने कहा कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है, इसलिए मेरा कुछ भी बोलना गलत होगा।आदिवासी छात्रावासों की देखरेख के लिए संभागीय समीक्षा दलविजय शाह ने आगे कहा कि नियम विरुद्ध काम करने वाले किसी भी अधिकारी को छोड़ा नहीं जाएगा। आदिवासी छात्रावासों की देखरेख के लिए संभागीय समीक्षा दल बनाया गया है। यह दल छात्रावासों की कमियों, वहां की सुविधाओं पर रिपोर्ट तैयार करेगा। समीक्षा दल की रिपोर्ट के आधार पर बजट जारी कर चीजें दुरुस्त की जाएगी।

गड़ा धन दिलाने के नाम पर ठगी और लूट का बड़ा खुलासा

छत्तीसगढ़ के व्यापारी से 17 लाख लूटने वाले गिरोह के चारों सदस्य गिरफ्तार

खंडवा। जिले के हरसूद क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां गड़ा हुआ सोना दिलाने के नाम पर छत्तीसगढ़ के व्यापारियों को ठगकर उनसे 17 लाख 50 हजार रुपए लूट लिए गए। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया था। जानकारी के अनुसार रायपुर, छत्तीसगढ़ से आए कुछ लोगों को आरोपियों ने यह विश्वास दिलाया कि उनके पास गड़ा हुआ धन है और सोना निकालकर वे बेहद सस्ते दामों में बेच सकते हैं। सबसे पहले आरोपियों ने उन्हें विश्वास में लेने के लिए सोने के छोटे-छोटे टुकड़े दिखाए। इसके बाद उन्हें कहा गया कि 50 लाख रुपए का सोना सिर्फ 20 लाख में मिल सकता है। इस लालच में व्यापारी 18 लाख रुपए नगद लेकर तय स्थान पर पहुंचे।

जैसे ही व्यापारी जंगल में पहुंचे, आरोपियों ने उन्हें धोखे से सोने के सिक्के दिखाए और पैसे देने को कहा। व्यापारी जैसे ही रकम सौंपने लगे, तभी आरोपियों के साथी अचानक तलवार और कुल्हाड़ी लेकर पहुंच गए। उन्होंने व्यापारियों पर हमला करने की कोशिश की और नगद रुपए छीन लिए। जान बचाकर भागे पीड़ितों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।खंडवा के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि मामला दर्ज कर विशेष टीम बनाई गई और दबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके पास से 14 लाख रुपए नगद और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं इस गिरोह ने अन्य राज्यों या जिलों में भी इसी तरह की वारदातों को अंजाम तो नहीं दिया। इस मामले ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि लालच में आकर लोग कैसे अपराधियों के जाल में फंस जाते हैं। गड़ा हुआ धन या सस्ते सोने के नाम पर ठगी के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं, लेकिन इस घटना ने यह चेतावनी दे दी है कि ऐसे झांसे से बचना बेहद जरूरी है। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क को खंगाल रही है और उम्मीद है कि पूछताछ में कई और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

तेज बारिश से नदियां उफनीं, टीकमगढ़ में 20 लोग फंसे

भोपाल (नप्र)। स्ट्रॉन्ग सिस्टम के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। मंगलवार को मौसम विभाग ने उज्जैन समेत 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

नर्मदापुरम जिले के इटारसी में रुक-रुक कर तेज और रिमझिम बारिश हो रही है। जलस्तर बढ़ने पर तवा डैम के 3 गेट दो-दो फीट की ऊंचाई तक खोले गए हैं। यह इस सीजन में दूसरी बार है, जब बांध के गेट खोले गए हैं। डैम के एसडीओ एनके सूर्यवंशी के अनुसार, डैम से 10,500 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसका जलस्तर 1164.50 मीटर पर बना हुआ है। इससे पहले सोमवार देर शाम टीकमगढ़ में 20 लोग धसान नदी के बरा घाट पर फंस गए थे। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने उनको सुरक्षित रेस्क्यू किया। ये सभी कुडीला थाना क्षेत्र के निवासी हैं। धसान नदी में रेत का अवैध खनन करने गए थे। इसी दौरान जलस्तर बढ़ने से फंस गए थे।

मौसम विभाग के मुताबिक, जिन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान ढाई से साढ़े 4 इंच तक बारिश हो सकती है, उनमें उज्जैन, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, धार, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, कटनी, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी और अनूपपुर शामिल हैं। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर में भी बारिश का दौर जारी रह सकता है।

युवती का लहूलुहान शव मिला

घर में पड़ी थी लाश, गला कटा हुआ था: अक्टूबर में होने वाली थी शादी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 19 साल की युवती का शव उसके ही घर में मिला है। उसके गले पर धारदार हथियार से काटने के निशान हैं। परिजन ने मंगलवार सुबह शव को देखा और करीब 7.30 बजे पुलिस को सूचना दी। घटना टीटी नगर की है। युवती की अक्टूबर में शादी होनी थी। टीआई गौरव सिंह ने बताया कि मौके से कोई धारदार हथियार बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि घर में कोई बाहरी व्यक्ति घुसा था या नहीं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। पुलिस ने हमीदिया अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

घर में चल रही थी शादी की तैयारी - परिजनों ने बताया कि जून में रोशनी की कोहेफिजा इलाके के रहने वाले एक युवक से सगाई हुई थी। अक्टूबर में उसकी शादी तय थी। घर में शादी को लेकर तैयारियां चल रही थीं।

सुसाइड नोट में लिखा-मेरी मौत के जिम्मेदार सास, ससुर

भोपाल में 26 साल के युवक ने फांसी लगाकर दी जान : ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

भोपाल (नप्र)। यह लाइन 26 साल के इमरान खान ने अपने सुसाइड नोट में लिखी और सोमवार सुबह फांसी लगाकर जान दे दी। घटना खजूरी थाना क्षेत्र के भौंरी इलाके की है। इमरान डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता था और वहीं उसका गैराज था।

पुलिस के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 12:30 बजे इमरान के सास, ससुर और अन्य परिजन उसके घर आए और पत्नी और दोनों बच्चों को अपने साथ ले गए। इमरान ने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि सास हमेशा पत्नी को तलाक देने के लिए उकसाती थी और दहेज का झूठा केस लगाने की धमकी देती थी।

आखिरी मैसेज लिखा- अब दुकान संभाल लेना

रात करीब 2:30 बजे इमरान ने अपने गैराज में काम करने वाले पेंटर अमन को मैसेज किया- अब दुकान पर ध्यान देना। इसके बाद उसने कोई बातचीत नहीं की। सुबह करीब 9 बजे तक जब उसने दरवाजा नहीं खोला तो परिजन और गैराज के लड़कों ने गेट तोड़ा। अंदर इमरान का शव फंदे पर लटका मिला।

सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष को ठहराया जिम्मेदार

खजूरी थाना एएसआई करण सिंह ने बताया कि युवक डेटिंग पेंटिंग का काम करता था, उसकी लव मैरिज हुई थी। घटना से एक रात पहले मिया-बीबी में विवाद हुआ था। जिसके बाद पत्नी ने अपने मां-बाप को बताया। वह लोग पत्नी और बच्चों को ले गए, दूसरे दिन सुबह 9 बजे इमरान फंदे पर लटका है। युवक ने सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें ससुराल पक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि अभी संबंधितों को बयान नहीं हुए हैं, शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया है।

घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला शव

मृतक इमरान के बहनोई सर सैयद जावेद अली ने बताया कि रविवार देर रात इमरान घर से बाहर बाथरूम करने गए थे। मां से बातचीत कर वे वापस कमरे में लौट आए। इसके बाद परिवार को उनकी कोई खबर नहीं मिली। सुबह परिजन ने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद गैराज में काम करने वाले लड़कों को बुलाया गया। सबके सामने गेट तोड़ा गया तो अंदर इमरान फंदे पर लटके मिले।

जावेद ने कहा कि इमरान ने सुसाइड नोट छोड़ा है। जिसमें उन्होंने अपनी सास और ससुराल पक्ष के लोगों का नाम लिखा है। जावेद के मुताबिक, रात करीब 12 बजे मृतक की सास, ससुर और अन्य रिश्तेदार घर आए थे। वे पत्नी और दोनों बच्चों को अपने साथ ले गए। इस दौरान परिजन ने घर का माहौल बिगाड़ा और विवाद भी किया। इमरान की सास अक्सर घर में झगड़ा करवाती थी और पति-पत्नी के बीच कलह डालती थी। यही नहीं, वे तलाक दिलाने और दहेज के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी देती थीं। जावेद ने आरोप लगाया कि रविवार रात भी स्थिति ऐसी ही बनी, जिसके बाद इमरान टूट गए और उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया।

पीएम मोदी की मां के अपमान पर प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता को भरे मंच से गाली देकर विवादों में फंसे बीजेपी विधायक सुदेश राय

सीहोर। जिले में राजनीतिक गरमाहट उस समय चरम पर पहुंच गई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को अपमानित किए जाने के खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बड़ा प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के खिलाफ सीहोर में पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया, लेकिन इस दौरान विरोध जताने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और बीजेपी कार्यकर्ताओं में तीखी झड़प हो गई। इसी दौरान बीजेपी विधायक सुदेश राय का धैर्य टूट गया और उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता को भरे मंच से ही मां की गाली दे डाली। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार बीजेपी कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय के सामने राहुल गांधी का पुतला दहन कर रहे थे। इस प्रदर्शन का कांग्रेस ने विरोध किया, जिससे माहौल गरमा गया। विवाद इतना बढ़ा कि विधायक सुदेश राय की एक युवक से तीखी कहासुनी हो गई। बहस के बीच विधायक अपनी मर्यादा भूल बैठे और खुलेआम अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर दिया। घटना के वक्त वहां पुलिस भी मौजूद थी, लेकिन विधायक की इस हरकत ने सभी को चौंका दिया। मामला यहीं तक नहीं रुका। प्रदर्शन कर रहे बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय में आग लगाने तक की धमकी दे डाली। हालांकि मौके पर पुलिस ने स्थिति को संभालने की कोशिश की, लेकिन यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया। कांग्रेस नेताओं ने विधायक सुदेश राय के इस व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए वीडियो को साझा किया और इसे बीजेपी की मानसिकता करार दिया। वहीं अब इस विवादित बयान और गाली-गलौज के चलते विधायक सुदेश राय चौतरफा आलोचना के घेरे में आ गए हैं। कांग्रेस ने इस मामले पर सख्त कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि सत्ता के नशे में बीजेपी नेता लगातार मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग विधायक के इस बर्ताव की कड़ी निंदा कर रहे हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, बुधवार 3 सितंबर , 2025

निर्मला सप्रे दलबदल प्रकरण में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका खारिज, अब जबलपुर हाईकोर्ट में होगी अपील

इंदौर। बीना से कांग्रेस विधायक निर्वाचित हुई और बाद में भाजपा में शामिल हुई निर्मला सप्रे के दलबदल मामले में हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने बड़ा फैसला सुनाया है। जस्टिस प्रणय वर्मा की बेंच ने इस मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की ओर से दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह मामला इंदौर खंडपीठ के क्षेत्राधिकार में विचारणीय नहीं है। गौरतलब है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में सागर जिले की बीना सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में निर्वाचित होने के बाद निर्मला सप्रे भाजपा में शामिल हो गई थीं। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने याचिका दायर कर उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की थी। सिंघार का आरोप था कि सप्रे ने कांग्रेस से जीतने के बावजूद बिना इस्तीफा दिए दल बदल कर लिया, जो कि संविधान की दसवीं अनुसूची का उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान उमंग सिंघार की ओर से अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल ने तर्क रखते हुए कहा कि या तो हाईकोर्ट इस मामले पर सीधा फैसला दे या फिर विधानसभा अध्यक्ष को इस पर निर्णय लेने का निर्देश दिया जाए। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया था कि इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को पहले ही पत्र भेजा गया था, लेकिन निर्धारित 90 दिनों की अवधि में कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी कारण यह मामला हाईकोर्ट की दहलीज तक पहुंचा। हालांकि, कोर्ट ने क्षेत्राधिकार के आधार पर याचिका को खारिज कर दिया। अब उमंग सिंघार और कांग्रेस इस मामले को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट की शरण लेंगे। इधर, इस फैसले ने एक बार फिर राज्य की राजनीति में दलबदल के मुद्दे को गरमा दिया है। कांग्रेस जहां इसे लोकतंत्र और जनादेश के साथ विश्वासघात बता रही है, वहीं भाजपा का कहना है कि सप्रे का फैसला जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप है। यह मामला शुरू से ही राजनीतिक विवाद का कारण बना हुआ है और अब देखना होगा कि जबलपुर हाईकोर्ट में अपील के बाद यह प्रकरण किस दिशा में जाता है।

इंदौर में रेबीज मुक्त शहर बनाने की मुहिम की शुरुआत

- पहले दिन सौ श्वानों को लगाए गए टीके, पायलट प्रोजेक्ट में 4 हजार का लक्ष्य

इंदौर। शहर को रैबीजमुक्त बनाने की दिशा में इंदौर ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस अभियान की शुरुआत मंगलवार को ऐतिहासिक राजबाड़ा से की गई, जहां स्थानीय संस्थाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे एनजीओ के साथ मिलकर टीकाकरण का कार्य शुरू किया। अभियान की रूपरेखा गोवा के सफल मॉडल की तर्ज पर तैयार की गई है और इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा रहा है। इस परियोजना को एनजीओ वर्ल्ड वाइड वेटरनरी सर्विसेज (WVS) के सहयोग से पीएफए इंदौर, नीडिटेल फाउंडेशन, जशराज एनिमल शेल्टर और अन्य संस्थाएं मिलकर चला रही हैं। बड़ी संख्या में वॉलेंटियर्स भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। एंटी-रैबीज वैक्सीन (ARV) ड्राइव के पहले दिन करीब 100 श्वानों को टीके लगाए गए। पीएफए इंदौर की प्रियांशु जैन ने बताया कि अभी तक राजबाड़ा और रामबाग सहित आस-पास के क्षेत्रों से श्वानों की जानकारी प्राप्त हुई है, जिसके आधार पर टीम ने टीकाकरण किया। बुधवार को संभवत: अभियान पलासिया क्षेत्र में आगे बढ़ाया जाएगा। इस पायलट प्रोजेक्ट के पहले चरण में लगभग 4 हजार श्वानों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के तहत टीकाकरण के साथ-साथ हर श्वान का फोटो और जीपीएस लोकेशन वर्ल्ड वाइड वेटरनरी सर्विसेज के सॉफ्टवेयर पर अपलोड की जाएगी। इससे आने वाले वर्षों में दोबारा टीकाकरण के लिए सटीक डाटा उपलब्ध रहेगा। अभियान पूरा होने के बाद संस्थाएं इस पूरे कार्य की रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेंगी और भविष्य में व्यापक स्तर पर इसे लागू करने में मदद करेंगी। यह प्रयास न केवल इंदौर को रैबीजमुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि पशु कल्याण और जनस्वास्थ्य सुरक्षा को भी मजबूत करेगा।

डेली कॉलेज मॉक यूनाइटेड नेशंस विवाद ने सोशल मीडिया पर पकड़ा तूल

- प्राचार्य ने लगाए निराधार आरोपों पर विराम, 60 छात्रों ने दिया संस्थान के साथ समर्थन

इंदौर। प्रतिष्ठित डेली कॉलेज में आयोजित डीसी मॉक यूनाइटेड नेशंस (DCMUN 2025) के दौरान छात्रों के बीच हुए विवाद ने सोशल मीडिया पर जमकर तूल पकड़ा। इस मामले में यह आरोप तक लगाए गए कि हेड गर्ल को धमकाने और अपमानित करने की कोशिश की गई, जिसके चलते उन्होंने इस्तीफा भी दे दिया। हालांकि कॉलेज प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लिया है और स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि निराधार आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है, जिससे न केवल छात्रों और अभिभावकों का मनोबल प्रभावित हुआ है, बल्कि 150 साल पुरानी इस ऐतिहासिक संस्था की गरिमा को भी ठेस पहुंची है। प्राचार्य डॉ. गुनमित बिंद्रा ने इस विवाद को लेकर एक पत्र जारी किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि संस्था के आंतरिक मामलों को सार्वजनिक मंच पर लाया गया और तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। उनका कहना था कि सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं के जरिए किसी भी प्रतिष्ठित संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सकता है, जबकि हकीकत बिल्कुल अलग होती है। प्राचार्य ने यह भी स्पष्ट किया कि डेली कॉलेज में हर निर्णय लेने से पहले छात्रों और अभिभावकों की भावनाओं को ध्यान में रखा जाता है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अनुशासन समिति गठित की गई है, जो शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि कॉलेज की नीति हमेशा से ही छात्रों के हितों को प्राथमिकता देने और संस्था की गरिमा बनाए रखने की रही है। इस पूरे प्रकरण में 60 छात्रों ने भी प्राचार्य और स्कूल प्रशासन का समर्थन किया है। उन्होंने एक पत्र जारी कर स्पष्ट कहा कि कॉलेज प्रबंधन और प्राचार्य द्वारा लिए गए निर्णय सही दिशा में हैं और इनसे संस्था की प्रतिष्ठा को बचाने का ही प्रयास किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस विवाद ने सोशल मीडिया पर न केवल सनसनी फैलाई, बल्कि इसने संस्था की साख को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। हालांकि प्राचार्य और अधिकांश छात्रों का कहना है कि सत्य के साथ खड़े रहकर इस 150 साल पुराने डेली कॉलेज की गरिमा और छवि को किसी भी कीमत पर धूमिल नहीं होने दिया जाएगा।

सराफा चौपाटी बने रहने पर सहमति पर यहां रहेंगे सिर्फ परंपरागत व्यंजन

बैठक में विवाद सुलझा, पर दुकानों की संख्या भी सीमित होगी

इंदौर। देश-दुनिया में अपने जायकेदार पकवानों के लिए मशहूर सराफा चाट-चौपाटी पर लंबे समय से चल रहा विवाद आखिरकार सुलझ गया। सोमवार को नगर निगम और सराफा व्यापारियों की बैठक में यह तय हुआ कि सराफा चाट-चौपाटी अपनी मूल जगह पर ही संचालित होगी। बैठक के बाद सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकुम सोनी ने बताया कि संगठन ने नूडल्स जैसे चीनी व्यंजनों और अन्य विदेशी पकवानों को हटाने की मांग रखी है। उनका कहना है कि चौपाटी की पहचान पारंपरिक व्यंजनों भुट्टे का कीस, मटर व हरे चने की कचौड़ी, गराडू, मालपुआ और रबड़ी से है। इसलिए विदेशी पकवानों को यहां कोई जगह नहीं मिलनी चाहिए।

दुकानों की संख्या सीमित होगी - सोनी ने यह भी कहा कि फिलहाल करीब 225 दुकानों वाली इस आधा किलोमीटर लंबी और 20 फुट चौड़ी गली में आगजनी का खतरा बना रहता है। इसलिए दुकानों की संख्या घटाकर 60 तक सीमित करने और अग्नि सुरक्षा के पक्के इंतजाम करने की मांग की गई।

समिति करेगी समाधान - महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इस विषय पर 9 सदस्यीय समन्वय समिति बनाई गई है, जो सभी मुद्दों का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि श्राद्ध पक्ष के बाद सराफा चाट-चौपाटी अपनी पारंपरिक पहचान के साथ और भी सुंदर व सुरक्षित स्वरूप में नजर आएगी।

सदी पुरानी परंपरा

इतिहासकार जफर अंसारी के अनुसार, सराफा चाट-चौपाटी की शुरुआत करीब 100 साल पहले होलकर शासनकाल में हुई थी। उस समय यहां मुख्यत: दूध और दूध से बने पकवान बिकते थे। धीरे-धीरे यह स्थान देश-दुनिया में मशहूर हो गया और आज रात 2 बजे तक खुला रहने वाला यह बाजार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है।

सराफा चाट-चौपाटी का इतिहास

देश-दुनिया में जायकेदार पकवानों के लिए मशहूर इस चौपाटी की शुरुआत 1900 के दशक में होलकर राजाओं के समय दूध और मिठाइयों से हुई। पहलवान वर्जिश के बाद यहां आकर भोजन करते थे। इसकी स्थापना लगभग 100 साल पहले होलकर शासनकाल में हुई। वर्तमान में यहां लगभग 225 दुकानें हैं, जिन्हें 60 किए जाने का प्रस्ताव है। यहां के विशेष व्यंजन भुट्टे का कीस, गराडू, मालपुआ, रबड़ी, मटर व हरे चने की कचौरी।

एमवाय अस्पताल में बड़ी लापरवाही

एनआईसीयू में चूहों ने दो नवजात शिशुओं के हाथ कुतरे, डॉक्टर पहले समझते रहे इन्फेक्शन, प्रबंधन में मचा हड़कंप

इंदौर। मध्यप्रदेश के सबसे पुराने और बड़े सरकारी अस्पताल महाराजा यशवंतराव (एमवाय) अस्पताल में लापरवाही और अव्यवस्था का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। अस्पताल की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में दो अलग-अलग दिनों में चूहों ने दो नवजात शिशुओं के हाथ कुतर दिए। यह घटनाएं रविवार और सोमवार को घटीं, जिनके सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक दोनों नवजात कुछ दिन पहले जन्म के तुरंत बाद गंभीर स्थिति के चलते एनआईसीयू में भर्ती किए गए थे। अस्पताल के स्टाफ ने स्वीकार किया कि वार्डों में चूहों की भरमार है और एनआईसीयू में कई दिनों से एक बड़ा चूहा घूम रहा है। रविवार को जब पहली बार नवजात के हाथ पर जख्म दिखा, तो डॉक्टरों को लगा कि यह किसी संक्रमण की वजह से हुआ है। लेकिन अगले ही दिन जब फिर से दूसरे नवजात को उसी तरह के घाव मिले, तब हकीकत सामने आई और डॉक्टरों ने तुरंत इलाज शुरू किया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने घटनाओं की पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों बच्चे अब सुरक्षित हैं और उनका उपचार जारी है। उन्होंने माना कि नवजातों को वास्तव में चूहों ने काटा था। डॉक्टर यादव ने यह भी स्वीकार किया कि अस्पताल में चूहों की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पाई है। उन्होंने कहा कि मरीजों के परिजन वार्ड में भोजन सामग्री लेकर आ जाते हैं, जिससे चूहों की संख्या और बढ़ जाती है। इसके अलावा अस्पताल में बड़े पैमाने पर पेस्ट कंट्रोल का काम लंबे समय से नहीं किया गया था। आखिरी बार बड़े स्तर पर पेस्ट कंट्रोल करीब पांच साल पहले किया गया था। इस घटना ने न केवल अस्पताल प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। एनआईसीयू जैसी संवेदनशील जगह पर चूहों का पहुंच जाना और नवजात शिशुओं को नुकसान पहुंचाना एक बड़ी लापरवाही माना जा रहा है। शहरवासियों और मरीजों के परिजनों में इस घटना को लेकर आक्रोश है और लोगों का कहना है कि जिस अस्पताल में हजारों मरीज हर दिन इलाज के लिए आते हैं, वहां इस तरह की घटनाएं अस्वीकार्य हैं।

आर्यमन सिंधिया एमपीसीए के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

ग्वालियर राजवंश की तीसरी पीढ़ी के युवा अध्यक्ष

इंदौर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र और ग्वालियर संभाग क्रिकेट संघ (जीडीसीए) के उपाध्यक्ष महान आर्यमन सिंधिया को मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। 29 वर्षीय महान आर्यमन वर्ष 1957 में स्थापित एमपीसीए के इतिहास में सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। एमपीसीए के सीएओ रोहित पंडित ने बताया कि अध्यक्ष समेत पूरी कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित हुई है। नवनिर्वाचित टीम में विनीत सेठिया उपाध्यक्ष, सुधीर असनानी सचिव, अरुंधति किरकिरे संयुक्त सचिव और संजीव दुआ कोषाध्यक्ष बने हैं।

सिंधिया परिवार का वर्चस्व

सिंधिया परिवार लंबे समय से क्रिकेट प्रशासन से जुड़ा रहा है। माधवराव सिंधिया और ज्योतिरादित्य सिंधिया भी एमपीसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्ष 2010 में ज्योतिरादित्य सिंधिया और कैलाश विजयवर्गीय के बीच चुनावी जंग चर्चा में रही थी, जिसमें सिंधिया ने विजयवर्गीय को पराजित किया था। लोढ़ा समिति की सिफारिशों के बाद वरिष्ठ प्रशासकों को पद छोड़ना पड़ा था, लेकिन अब नई पीढ़ी के रूप में महान आर्यमन के नेतृत्व में एमपीसीए के नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है।

होप टेक्सटाइल मिल की जमीन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

लीज निरस्त होने के बाद अब बनेगी पार्किंग और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सस्ते मकान

इंदौर। कीचर्चित होप टेक्सटाइल मिल की जमीन को लेकर बड़ा मोड़ सामने आया है। करोड़ों रुपये मूल्य की इस जमीन पर प्रशासन ने हाल ही में ऐतिहासिक कार्रवाई करते हुए लीज निरस्त कर कब्जा लिया था और सूचना बोर्ड भी लगवा दिया था। अब इस जमीन के जनहित में उपयोग की दिशा में कदम बढ़ा दिए गए हैं। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने नजूल निर्वतन अधिनियम के तहत प्रशासन को आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें पार्किंग और प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीब व मध्यम वर्ग के लिए सस्ते मकान बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार जूनी इंदौर ने इस आवेदन पर कार्रवाई करते हुए 15 दिन के भीतर दावे-आपत्तियां आमंत्रित की हैं। फिलहाल 8 एकड़ से अधिक जमीन निगम को आबंटित करने की प्रक्रिया में है, जिसका उपयोग पार्किंग और आवास निर्माण के लिए किया जाएगा। गौरतलब है कि इस जमीन की कहानी काफी पुरानी है। 86 साल पहले 1939 में होलकर स्टेट ने सिक्का ऑर्डर के जरिए 99 साल की लीज पर यह जमीन मिल संचालन के लिए दी थी। लेकिन समय के साथ न सिर्फ मिल बंद हो गई बल्कि जमीन का दुरुपयोग और लीज शर्तों का उल्लंघन भी किया गया। इस पर बम परिवार का कब्जा रहा और इसके एक हिस्से में न्यू सियागंज भी बसा। प्रशासन ने जब जांच करवाई तो एसडीएम प्रदीप सोनी की रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर कोर्ट ने विस्तृत आदेश जारी कर लीज निरस्त कर दी। प्रशासन ने मौके पर एसडीएम और तहसीलदार की टीम भेजकर कब्जा लिया और बोर्ड लगवा दिया। इस पूरी कार्रवाई को कानूनी मजबूती देने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया और स्पष्ट कहा कि जमीन का इस्तेमाल मिल संचालन के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए किया गया, जो लीज शर्तों का उल्लंघन है। इसके चलते लीज रद्द की गई। हालांकि इस आदेश को बम परिवार द्वारा अदालती चुनौती दिए जाने की भी संभावना जताई जा रही है। इस बीच, अदालत परिसर के पास 4.93 एकड़ जमीन का हिस्सा अस्थायी पार्किंग के लिए पहले से जिला एवं सत्र न्यायालय को दिया गया था, जिसे कलेक्टर ने अपने आदेश में यथावत रखने का निर्णय लिया है। अब नगर निगम के प्रस्ताव पर 16 सितंबर तक दावे-आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। उसके बाद जमीन के स्थायी आबंटन की प्रक्रिया पूरी होगी। यह मामला सिर्फ जमीन का नहीं बल्कि इंदौर की शहरी योजना और विकास से भी जुड़ा हुआ है। यदि नगर निगम को यह जमीन मिलती है तो शहरवासियों को जहां पार्किंग की सुविधा मिलेगी वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हजारों परिवारों को सस्ते घर भी उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं प्रशासन की यह कार्रवाई यह भी संदेश देती है कि लीज शर्तों का उल्लंघन कर करोड़ों की बेशकीमती जमीन पर कब्जा बरकरार रखना अब आसान नहीं होगा।

डकैती की साजिश रचते बदमाश पकड़ाए, 14 लाख का माल मिला

चार नकबजनियों का खुलासा, वाहन और औजार भी मिले

इंदौर। थाना कनाडिया पुलिस ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए डकैती की योजना बना रहे लिस्टेड बदमाशों को रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार बदमाश सिर्फ डकैती ही नहीं, बल्कि नकबजनी के मामलों में भी शातिर निकले। पूछताछ में आरोपियों ने थाना कनाडिया क्षेत्र की चार बड़ी नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 14 लाख रुपये का माल, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और औजार बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त (जोन-2) हंसराज सिंह के निर्देशन में एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह और एसीपी खजराना कुंदन मंडलोई की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। 31 अगस्त को खबर मिली कि एलएनसीटी कॉलेज के पास निर्माणाधीन बायपास ब्रिज पर पांच संदिग्ध हथियारबंद बदमाश डकैती की योजना बना रहे हैं। तत्काल दबिश देकर पुलिस ने शाहरुख शाह, गुलाम पटेल, अकरम उर्फ चिना खान, सोहेल अंसारी और सलमान उर्फ मॉडल खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे 17 से 26 अगस्त के बीच कनाडिया क्षेत्र में चार नकबजनियों को अंजाम दे चुके हैं। बदमाश आउटर कॉलोनियों में सुनसान घरों की पहले रेकी करते और फिर ताले तोड़कर वारदात को अंजाम देते थे। बरामद माल में सोने-चांदी के गहने, नगदी 40 हजार रुपये, मोबाइल फोन, औजार और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल शामिल है। कुल बरामदगी की कीमत लगभग 14 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई में थाना प्रभारी डॉ सहर्ष यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम और सायबर सेल जोन-2 की भूमिका सराहनीय रही। फिलहाल पुलिस आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। आशंका है कि यह गिरोह अन्य वारदातों में भी शामिल रहा होगा।

पब के बाहर मारपीट मामले में पुलिस ने 5 को गिरफ्तार किया

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र के स्कीम नंबर 78 स्थित एक पब के बाहर हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने से पहले ही पुलिस को इस मामले की शिकायत मिल चुकी थी। शिकायत पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की और वायरल वीडियो में नजर आने वाले युवकों की पहचान कर पाँचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि घटना किसी रंजिश या गैंगवार की नहीं, बल्कि आपसी मनमुटाव की वजह से हुई थी। दोनों ग्रुप के युवक एक-दूसरे को पहले से जानते थे और पहले भी इनके बीच विवाद हो चुका था। घटना की रात उनका आमना-सामना होने पर बहस मारपीट में बदल गई। पुलिस ने न केवल आरोपियों को गिरफ्तार किया, बल्कि उनके परिजनों को भी बुलाकर समझाइश दी जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। अधिकारियों ने साफ कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर गुंडागर्दी और मारपीट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

इंदौर को आईजीबीसी ग्रीन सिटी प्लेटिनम सर्टिफिकेट, देश के 32 शहरों में शामिल

पर्यावरण संरक्षण में देश के शीर्ष शहरों में और मध्य प्रदेश में पहला

इंदौर। स्वच्छता में लगातार नंबर-वन रहने वाला इंदौर अब हरित विकास की दिशा में भी नई पहचान बना चुका है। यह सम्मान इंदौर को भारत के उन चुनिंदा 32 शहरों की श्रेणी में शामिल करता है, जिन्हें आईजीबीटी ने हरित और टिकाऊ शहरी विकास के लिए मान्यता प्रदान की है।झ इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड (आईएससीडीसीएल) और नगर निगम को सीआईआई-इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा ग्रीन सिटी प्लेटिनम सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है। यह सम्मान पाने वाला इंदौर मध्य प्रदेश का पहला शहर है। यह उपलब्धि इंदौर के सतत एवं हरित विकास की दिशा में पिछले कई वर्षों से किए गए सुनियोजित प्रयासों, पर्यावरण हितैषी पहल और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है।

बीते छह माह में शहर द्वारा किए गए कार्यों एवं पहलों से संबंधित विस्तृत डाटा प्रमाणन संस्था आईजीबीटी के साथ साझा किया गया, जिसके उपरांत यह प्रतिष्ठित मान्यता प्रदान की गई। आईजीबीटी ग्रीन सिटी रेटिंग के अंतर्गत किसी शहर का मूल्यांकन मास्टर प्लानिंग, जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, ई-गवर्नेंस, हरित आवरण, सार्वजनिक परिवहन एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विभिन्न आयामों पर किया जाता है। इंदौर ने इन सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह शीर्ष सम्मान हासिल किया है। यह प्रमाण पत्र सीआईआई राष्ट्रीय समिति (एमएसएमई) के अध्यक्ष सुनील चौरसिया ने इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह और नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा (आईएएस) को प्रदान किया। इस अवसर पर कहा कि यह सम्मान इंदौर की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता और पर्यावरण संरक्षण में निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। इंदौर अब उन चुनिंदा 32 भारतीय शहरों में शामिल हो गया है, जिन्हें आईजीबीटी ने हरित और टिकाऊ शहरी विकास के लिए मान्यता दी है। यह उपलब्धि शहर की पहचान को और मजबूत करती है तथा स्वच्छ और हरित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में इंदौर की अग्रणी भूमिका को दर्शाती है।

उपलब्धि के मुख्य बिंदु

- इंदौर मध्य प्रदेश का पहला एवं देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल, जिसे आईजीबीटी ग्रीन सिटी प्लेटिनम सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ।
- जल, ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, ई-गवर्नेंस एवं हरित बुनियादी ढांचे में उत्कृष्ट कार्य।
- सतत शहरी विकास व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नागरिकों और प्रशासन का संयुक्त प्रयास।
- यह उपलब्धि इंदौर शहर की पहचान को और सशक्त बनाती है तथा हरित, स्वच्छ और सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्रदान करती है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 3 सितंबर , 2025

संपादकीय | अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिश

शुल्क संघर्ष बढ़ने के बीच भारत और जापान ने अपने विशेष रणनीतिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने के वास्ते अगले दस वर्षों के लिए साझेदारी का एक नया खाका तैयार किया है। इसमें रक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, दूरसंचार, दवा, महत्त्वपूर्ण खनिज, उभरती प्रौद्योगिकी और आर्थिक सुरक्षा ढांचा शामिल हैं। इसके तहत कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं, जिनमें न केवल साझा हित निहित हैं, बल्कि वैश्विक कारोबार में भी दोनों देशों की साख मजबूत होगी।

खासकर, अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क से निपटने के उपायों की तलाश के बीच जापान से यह साझेदारी और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत व्यापार के वैकल्पिक रास्ते खोजने में जुटा है और जापान के साथ समझौतों को इसी कड़ी का एक हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से जापान भी अछूता नहीं है और ऐसे में वह भी भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है।

अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिशों के तहत भारत ने चालीस देशों के साथ व्यापारिक संवाद का अभियान शुरू किया है। जापान भी उनमें से एक है। विभिन्न समझौतों के तहत जापान ने भारत में एक दशक के भीतर दस हजार अरब येन (करीब 60,000 करोड़ रुपए) के निवेश का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी कामगारों को एक-दूसरे के यहां आसानी से आने-जाने एवं काम करने का मौका देने को लेकर भी एक कार्ययोजना बनी है। माना जा रहा है कि इससे पांच लाख भारतीय प्रशिक्षित कामगारों के जापान जाने का रास्ता खुलने की उम्मीद है।

एक समझौता भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जापान एअरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजंसी के बीच चंद्रमा के लिए संयुक्त अन्वेषण मिशन में सहयोग को लेकर हुआ है। दरअसल, भारत-जापान की साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। मजबूत लोकतंत्र एक बेहतर दुनिया को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इसमें दोराय नहीं कि जापानी तकनीक और भारतीय प्रतिभा का संयोजन अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक नए आयाम को आकार दे सकता है। रक्षा उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग परस्पर आत्मनिर्भरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। दोनों देशों ने पेरिस समझौते के तहत कार्बन क्रेडिट व्यापार पर एक साथ काम करने के लिए भी समझौता किया है। इस कदम से भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों के लिए धनराशि और प्रौद्योगिकी हासिल करने में मदद मिल सकती है। जापान के साथ व्यापार, नवोन्मेष और उद्यमिता आदि क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। नवउद्यम, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्र भी परस्पर लाभकारी हो सकते हैं। इस तरह की संभावनाओं को तलाशना इसलिए भी जरूरी है, ताकि अमेरिकी शुल्क नीति जैसे और कोई दबाव भविष्य में भारत पर असर न डाल सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब चीन की यात्रा पर हैं और उम्मीद है कि वहां भी द्विपक्षीय व्यापार को लेकर सार्थक बातचीत होगी। वैसे तो भारत-चीन के रिश्ते परंपरागत रूप से ज्यादा अच्छे नहीं रहे हैं, लेकिन अमेरिकी शुल्क के मुद्दे पर दोनों देश एक मंच पर आ गए हैं और इस मसले पर रूस भी भारत के साथ है। माना जा रहा है कि इन तीनों आर्थिक शक्तियों का आपसी संवाद वैश्विक उथल-पुथल के बीच नए समीकरणों को आकार दे सकता है।

देश की राजधानी में बेखौफ अपराधी, मामूली सी बात पर हो जा रही हत्या

माना जाता है कि राजधानी होने के नाते दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की मौजूदगी का प्रभाव देश के अन्य हिस्सों से बेहतर स्थिति में होगा। मगर दिल्ली के कालकाजी इलाके में महज प्रसाद देने के मुद्दे पर कुछ लोगों ने जिस तरह वहां मंदिर के एक सेवादार की बर्बरता से पीट-पीट कर जान ले ली, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि कुछ लोगों में न तो संवेदनशीलता बची है और न शायद उनके भीतर इस बात का डर है कि वे जिस अपराध को अंजाम दे रहे हैं, उसके बदले उनकी जिंदगी जेल की सींखचों के भीतर कट सकती है। गौरतलब है कि शुक्रवार की रात मंदिर में आए कुछ लोगों ने प्रसाद देने जैसी बहुत साधारण-सी बात पर सेवादार की लाठी-डंडों से इतनी पिटाई की कि उसकी जान चली गई। स्थानीय लोगों ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एकबारगी इस बात पर हैरानी होती है कि इतनी मामूली बात पर किसी की हत्या तक कर डालने की हिम्मत कुछ लोगों के भीतर कैसे चली आती है। निश्चित रूप से यह कानून-व्यवस्था की नाकामी का नतीजा है, जिसमें आपराधिक मानस वाले लोगों में पुलिस का कोई खौफ नहीं दिखता। यह स्थिति तब है जब दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था बहुस्तरीय चौकसी के तहत संचालित होती है। एक जटिल और महत्त्वपूर्ण बिंदु यह है कि लोगों के भीतर एक विचित्र किस्म का उतावलापन और विवेकहीनता भर रही है, जिसमें वे किसी बेहद मामूली बात पर आपा खो देते हैं और यहां तक कि किसी की हत्या तक कर देने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। समाज में पनप और पल-बढ़ रही इस मानसिक विकृति के उदाहरण अक्सर देखने को मिल रहे हैं, जिनमें बहुत छोटी और आमतौर पर अनदेखी कर दी जाने वाली बातों पर भी नाहक ही गुस्से से भर कर दो लोग आपस में उलझ जाते हैं, उनके साथ के लोग भी उसमें शामिल हो जाते हैं और फिर उसमें जो ताकतवर होता है वह दूसरे पक्ष के किसी व्यक्ति की हत्या तक कर देने से नहीं हिचकता। यहां न तो विवेक की उपस्थिति दिखती है और न ही पुलिस या कानून का डर। सवाल है कि इस तरह की असहिष्णु मनस्थिति में पहुंच चुके लोग समाज और देश के सामने किस तरह की चुनौती खड़ी कर रहे हैं और इस स्थिति में सुधार लाना किसकी जिम्मेदारी है।

आज का कार्टून

ट्रंप टैरिफ ने स्वदेशी का भाव जगा दिया...

कोरोना महामारी के दौरान जब वैश्विक सप्लाई चेन टूट गई थी, तब भी देश ने आत्मनिर्भरता का महत्व समझा। अब डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ कदमों ने भी भारत को यह सिखाया है कि हमें अपने उद्योगों, किसानों और तकनीक को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। आत्मनिर्भर बने बिना आर्थिक और तकनीकी आजादी असंभव है। आज भारत में बनी कारें और इलेक्ट्रॉनिक सामान दुनिया भर में छा रहे हैं। रक्षा से लेकर डिजिटल तकनीक तक, आत्मनिर्भरता का यह अभियान अब केवल नारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की सबसे बड़ी आर्थिक रणनीति बन चुका है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ने अहम भूमिका निभाई। स्वदेशी हथियारों और तकनीक की मदद से भारत ने तेजी और कुशलता से सफलता हासिल की। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर न होता, तो यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी तरक्की पाने या आगे बढने का अवसर जरूर आता है। कुछ इसका पूरा फायदा उठाते हुए इतिहास के पन्नों पर तरक्की और कामयाबी के नये अध्याय लिखते हें। तो वहीं कुछ लोग उसे कठिनाई के रूप में देखते हुए उससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। दरअसल, हम जिसे आपदा समझते हैं, उसमें भी एक अवसर छिपा रहता है। बुद्धिमान लोग ऐसे अवसरों को पहचान कर उससे मनचाहा लक्ष्य प्राप्त करते हैं। ऐसी आपदाएं किसी देश के जीवनकाल में भी आती हैं। अगर शासन की बागडोर समझदार, राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी नेता के हाथों में हो तो वो किसी भी आपदा को अवसर में बदल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाता है।

आज भारत के सामने ट्रंप टैरिफ की आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, अब पूरी दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए. दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इनसे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा।

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में सुजुकी मोटर्स के कार्यक्रम में स्वदेशी की पुरजोर वकालत और उसकी नई व्याख्या से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा, 'पैसा किसका लगता है...वो डॉलर है, पाउंड है, वो करंसी काली है, गोरी है, मुझे कोई लेना-देना नहीं है। पैसा किसी का, पसीना हमारा। पैसा कहीं से आए, पसीना यहां का लगे।'

जहां तक आत्मनिर्भरता की बात है तो तमाम प्रधानमंत्री उसका जिक्र करते रहे हैं। लालबहादुर शास्त्री ने तो अमेरिकी कानून पीएल 480 के तहत आने वाले गेहूं का आयात बंद कर दिया था क्योंकि अमेरिका इससे भारत की विदेश नीति प्रभावित करने की कोशिश में था। अमेरिकी गेहूं का आयात बंद होने से ही हरित क्रांति का रास्ता खुला और देश अनाज के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो सका। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी स्वावलंबन के इस नारे को आगे बढ़ाया। लेकिन स्वदेशी को आंदोलन बनाने की घोषणा किसी ने नहीं की। वे बदलती दुनिया के साथ कदमताल को जरूरी मानते थे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कोशिशें अब भी जारी हैं। लेकिन इसमें सबसे बड़ा रोड़ा भारत की विदेश नीति को पूरी तरह बदलने की ट्रंप की जिद है। कृषि क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा खोलने जैसे मुद्दे भी रुकावट बने हुए हैं। अमेरिका सिर्फ व्यापार नहीं करना चाहता, वह एक ऐसा पार्टनर चाहता है जो उसके सहायक की भूमिका में हो। वह चाहता है कि भारत, रूस या दुनिया के बाकी देशों से व्यापार ही नहीं सामरिक संबंध भी उसकी मर्जी के हिसाब से तय करे। जाहिर है कि भारत, पाकिस्तान की तरह उसका पिछलग्गू नहीं बन सकता। ऐसे में अपने फैसले खुद लेने की आजादी और राष्ट्रीय गौरव बरकरार रखने की सोचते समय स्वाधीनता संग्राम को याद करना और स्वदेशी का ध्यान आना स्वाभाविक ही है।

जानकारों के मुताबिक केंद्र सरकार को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ज्यादा से ज्यादा कदम उठाए जाने चाहिए। छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए। कृषि उत्पादों में नयी तकनीक लगाकर किसान की मदद करके नए बाजारों तक पहुचाएं। घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन दें। हमें शिक्षा और ग्रामीण विकास पर ध्यान देना होगा। भारत को कृषि क्षेत्र और कुटीर उद्योगों पर ध्यान देना चाहिए। अगर ग्रामीण स्तर पर उत्पादन बढ़ेगा तो आयात कम होगा और रोजगार भी बढ़ेंगे। आत्मनिर्भरता केवल उद्योग से नहीं, बल्कि स्थानीय संसाधनों के सही इस्तेमाल से संभव है।

यह अवसर है जब स्टार्टअप और एमएसएमई को नीतिगत समर्थन दिया जाए। अगर छोटे और मध्यम उद्योगों को सस्ता ऋण और तकनीकी मदद मिले, तो वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। यही भारत को नई आर्थिक ताकत देगा। यह समय है कि हम विदेशी आयात पर निर्भरता कम कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाएं। सरकार को उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को सशक्त आधार मिले। यही विकास का स्थायी रास्ता होगा।

पीएम मोदी ने अमेरिका को साफ संदेश दे दिया है कि भारत किसी भी दबाव में झुकने वाला नहीं है। इसी बीच जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर ऑलगेमाइन जितुंग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत पर टैरिफ लगाने के बाद ट्रंप ने पीएम मोदी को 4 बार कॉल किया, लेकिन उन्होंने रिसीव ही नहीं किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ट्रंप के टैरिफ से नाराज भारत सरकार अमेरिका से कोई आसान डील नहीं करना चाहती। हेंड्रिक अंकेनब्रांड, विनांड वॉर्न पीटर्सडॉफ, गुस्ताव थाइले ने लिखे अपने लेख में कहा कि यह भारत सरकार की बदली हुई नीति का उदाहरण है। अमेरिका से नाराज होकर भारत, चीन और रूस से अपने संबंध बेहतर बनाने में जुट चुका है। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी जापान और चीन की यात्रा पर हैं।

कोरोना महामारी के दौरान जब वैश्विक सप्लाई चेन टूट गई थी, तब भी देश ने आत्मनिर्भरता का महत्व समझा। अब डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ कदमों ने भी भारत को यह सिखाया है कि हमें अपने उद्योगों, किसानों और तकनीक को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। आत्मनिर्भर बने बिना आर्थिक और तकनीकी आजादी असंभव है। आज भारत में बनी कारें और इलेक्ट्रॉनिक सामान दुनिया भर में छा रहे हैं। रक्षा से लेकर डिजिटल तकनीक तक, आत्मनिर्भरता का यह अभियान अब केवल नारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की सबसे बड़ी आर्थिक रणनीति बन चुका है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ने अहम भूमिका निभाई। स्वदेशी हथियारों और तकनीक की मदद से भारत ने तेजी और कुशलता से सफलता हासिल की। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर न होता, तो यह उपलब्धि संभव नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने दुकानदारों से भी अपील की है कि वे अपनी दुकानों के बाहर लिखें यहां स्वदेशी सामान मिलता है। यह केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में बड़ा कदम है। 'मेक इन इंडिया, 'स्टार्ट-अप इंडिया, 'डिजिटल इंडिया और अब 'आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों का मकसद यही है कि देश का उद्योग और तकनीक दुनिया के मुकाबले खड़ा हो सके। आज भारत तेज़ी से मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है। अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने या गैर-टैरिफ बैरियर लगाने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योग नई ऊंचाइयां छू रहे हैं।

अब हर रोज करवट बदल रहा मौसम...

ऐसा लगता है कि वे दिन अब गुजर गए जब बरसात के मौसम में बारिश न होने पर किसान अपने खेत में खड़े होकर आसमान की ओर निहारा करते थे। फसल सूख जाने की चिंता उन्हें व्याकुल कर देती थी। अब तो मूसलाधार बारिश उन्हें इतना त्रस्त कर देती है कि वे आपदा से बचाने की गुहार लगाते नजर आते हैं। पिछले कुछ समय से लगातार बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने किसानों से लेकर आम नागरिकों को चिंता में डाल दिया है। इस प्राकृतिक आपदा से भारी तबाही मची है। ऐसे में कई इलाकों के जलमग्न होने से संपदा और खेत-खलिहान भी बर्बाद हो जाते हैं। घर, सड़कें और राजमार्ग बह जाते हैं। बाढ़ की घटनाओं में वृद्धि निस्संदेह चिंताजनक है।

सुरेश सेठ

वैश्विक ताप बढ़ने के कारण हिमनद असमय पिघल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का नतीजा अब हम प्रलय मचाती बाढ़ के रूप में भी देख रहे हैं। उफनती नदियां लोगों का जमा-जत्था बहा कर ले जा रही हैं। पिछले वर्ष सामान्य से कम बारिश हुई थी। तब पूरे देश के आधे भाग में भरपूर बारिश हुई थी और आधा भाग सूखा रह गया था। इस बार जो बारिश हो रही है, वह मौसम विज्ञानियों के अनुमान से भी अधिक है।

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान था कि इस वर्ष बारिश सामान्य से अधिक हो सकती है और मानसून समय पर आएगा, लेकिन तूफानी बारिश लेकर उमड़ते-घुमड़ते काले बादल समय से पहले ही चले आए। अब उनका निरंतर एवं सघनता से बरसना और उससे तबाही का कहर पिछले सभी रेकार्ड तोड़ रहा है। कई राज्यों में लोग बेहाल हैं। सड़कें क्षतिग्रस्त होने से आवागमन में बाधा आ रही है। लोगों का काम-धंधा चौपट है। सवाल है कि आखिर इस तबाही के लिए कौन जिम्मेदार है? लोग किससे पूछे कि यह तबाही कैसे आई और इसके नियंत्रण के क्या उपाय है? आमतौर पर कह दिया जाता है कि यह प्रकृति का प्रकोप है और आम आदमी इसे दुर्भाग्य मान लेता है। यह भी मान लिया जाता है कि ये स्थितियां मानव नियंत्रण से बाहर हैं। मगर तनिक गंभीरता से मनन करें, तो पाते हैं कि इस तबाही के पीछे भी कुछ प्रभावशाली लोगों का स्वार्थ है, जिसकी कीमत आज आम आदमी चुका रहा है।

इसमें दोराय नहीं कि आधुनिकता की दौड़ में हमने पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां संभव नहीं था, वहां भी विस्फोटकों की मदद से पहाड़ों को खोखला कर दिया गया। वहां न केवल सुरंगे बनाई गईं, बल्कि पर्यटन के लिए रास्ते भी निकाले। लोभी लोगों ने पहाड़ों से लेकर हरित क्षेत्रों, कृषि भूमि और नदियों के आसपास से लेकर नालों तक अतिक्रमण कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर लीं। अब बारिश के कारण अवरुद्ध जल की निकास बड़ी समस्या बन कर सामने आई है। पानी को रास्ता नहीं मिलने से कई इलाके जलमग्न हो रहे हैं। पर्यटन जैसे कमाऊ क्षेत्र के लिए यह एक बुरा संकेत है। अब हर रोज मौसम करवट बदल रहा है। बारिश का आलम यह है कि राजस्थान जैसा सूखा और रेतीला इलाका भी अतिवृष्टि के कारण बेहाल है। ऐसे में सवाल है कि आम आदमी की विपदा के लिए सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा से क्या समस्या का स्थायी समाधान हो पाएगा?

अतिवृष्टि से उत्तर भारत तो बेहाल है ही, मुंबई से लेकर दक्षिण के तटीय इलाकों तक बारिश ने तबाही मचा दी है। जगह-जगह कई मकान और पुल बह गए हैं। आवागमन के लिए

बनाई गई सुरंगें पत्थर गिरने के कारण अवरुद्ध हो रही हैं। उनमें पर्यटकों के साथ वाहन भी फंस रहे हैं। पंजाब में भी इस बार बारिश से तबाही मच गई है। जलंधर, पठानकोट, फाजिल्का, होशियारपुर, अजनाला और रइया में मूसलाधार बारिश से जगह-जगह तालाब बन गए हैं। जम्मू-कश्मीर में स्थिति गंभीर है। कठुआ में क्षतिग्रस्त पुल पर आवाजाही बंद हो गई है। हिमाचल के लाहौल से लेकर उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम तक असामान्य बर्फबारी हुई, जिससे धार्मिक पर्यटन से मिलने वाले राजस्व का नुकसान हुआ। लाखों लोगों की धार्मिक यात्राएं अवरुद्ध होती नजर आईं, चाहे वह अमरनाथ यात्रा हो या चारधाम। वर्ष भर जारी रहने वाली वैष्णो देवी यात्रा में भी मूसलाधार बारिश के कारण कई बार व्यवधान आया। हाल में इस मार्ग पर भूस्खलन के कारण कई श्रद्धालुओं की जान चली गई। इस बार नदियों के पानी को बांध संभाल नहीं पा रहे हैं। पंजाब के बांधों का जलस्तर खतरे के निशान की ओर है। इसलिए भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर बांध से हजारों क्यूसेक पानी सतलुज, ब्यास आदि नदियों में छोड़ा जा रहा है। पंजाब में सीमा पर सैकड़ों गांवों और घरों में पानी घुस गया है। हजारों एकड़ भूमि जलमग्न हो गई है, जिससे फसलों का काफी नुकसान हुआ है। सड़कें बह जाने से यातायात प्रभावित हुआ। देश की राजधानी दिल्ली भी जलभराव से बच नहीं सकी। यहां कई इलाकों में पानी का रेला देखा गया। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, वहां भी घुटनों तक पानी नजर आया। ऐसे में केवल प्रकृति का विकराल रूप लेने की बात कह कर हम अपनी जिम्मेदारियों और जवाबदेही से बच नहीं सकते। सरकार को व्यवस्था में खामियों की बात स्वीकार करनी चाहिए। क्या देश ने पर्यावरण बचाने और वैश्विक ताप को नियंत्रित करने के लक्ष्य पर गंभीरता से ध्यान केंद्रित किया है? क्राड देशों के सम्मेलन में तो प्रण लिया गया था कि बढ़ते प्रदूषण और वैश्विक ताप के विरुद्ध सक्रिय अभियान चलाया जाएगा। वहीं, अमेरिका से लेकर पश्चिमी देश यह कह कर इस अभियान में अपना उचित आर्थिक योगदान देने से कदम पीछे खींच रहे हैं कि कार्बन उत्सर्जन और बढ़ते वैश्विक ताप के लिए वे दोषी नहीं, क्योंकि वे तो डिजिटल और रोबोट युग में चले गए हैं। अब सवाल यह है कि पश्चिमी देशों के इस संकुचित दृष्टिकोण का खमियाजा भारत के लोग क्यों भुगते? क्या सभी को खुश करने की राजनीति को छोड़ कर इस अभियान को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती थी? मगर ऐसा नहीं हुआ। इसका नतीजा यह है कि हिमनद पिघल रहे हैं, मौसम चक्र में बदलाव से हर तरफ बाढ़ आ रही है। गांव और कस्बे गुम हो रहे हैं। क्या ऐसा संभव नहीं है कि जैसे भारत अब हर क्षेत्र में अपने पैरों पर खड़ा होने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह प्रदूषण और वैश्विक ताप से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रयास किए जाएं। भारत के इन प्रयासों को देखकर दूसरे देश भी यथायोग्य योगदान के लिए आगे आएंगे।

Harvard Dreams Shaken by US Visa Crackdown: Indian Students Torn Between Risk and Retreat

For hundreds of Indian students admitted to Harvard this year, what should have been a proud moment of achievement turned into weeks of fear and confusion. In May, the US Department of Homeland Security revoked Harvard's license to host international students, accusing the university of fostering a hostile campus climate and withholding key records related to protests. The sudden order left more than 7,000 foreign students, including nearly 800 Indians, facing uncertainty about their visas and future. Harvard challenged the move in court and won a temporary reprieve, but the damage was already done. Students admitted for Fall 2025 were left questioning whether their lifelong dreams of studying at the world's most prestigious university were slipping away. Some, like a 52-year-old school principal from Delhi, decided to take the leap anyway. After tense weeks of waiting and intense scrutiny of her social media accounts, her visa was finally approved. She boarded a flight to Boston, determined not to let the opportunity slip. Today, she is attending lectures on leadership and curriculum design, though the shadow of that crisis still lingers. Others followed the same path, unwilling to sacrifice a once-in-a-lifetime chance. A 26-year-old from Gujarat, admitted to Harvard Kennedy School on a prestigious fellowship, said it felt like gambling with fate. "I knew the risks, but I told myself—if I don't take this chance, I'll regret it forever," he admitted, even as he acknowledged that every conversation on campus still carries a sense of unease. But many chose otherwise. A 24-year-old policy consultant from Haryana, admitted to Harvard's Master's in Public Policy, deferred his admission despite losing his $700 deposit. "It wasn't just about money," he explained. "It was about survival. I didn't want to live in constant fear of being thrown out." Another 25-year-old from Delhi, who had secured a place in Harvard's MPA program, stepped back for similar reasons, citing huge loans and job market insecurities. "It felt like gambling with my family's future," he said. For now, those who stayed behind in India continue with jobs and other opportunities, holding on to the hope that someday they will walk through Harvard's halls without fear. For those who went, every lecture and conversation is colored by the knowledge of how fragile their place in the US has become.

1 पर 2 बोनस शेयर का तोहफा, रिकॉर्ड डेट पर रॉकेट बन गया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। चावल और खाद्य तेल के कारोबार से जुड़ी कंपनी हलदर वेंचर ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा दिया है। कंपनी के शेयर मंगलवार 2 सितंबर को बोनस शेयर

की रिकॉर्ड डेट पर कारोबार कर रहे हैं। हलदर वेंचर के शेयर, बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट पर 20 पर्सेंट उछलकर 326.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने अपने निवेशकों को 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर बांटे हैं।

हलदर वेंचर लिमिटेड के शेयर मंगलवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 60 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट दिखा रहे थे। हालांकि, कंपनी के शेयरों में यह गिरावट नहीं आई थी।

NEET UG Counselling 2025:

MCC Releases Revised Schedule for Round 2, Choice-Filling from September 5

The Medical Counselling Committee (MCC) has officially released the revised schedule for the NEET UG Counselling 2025 Round 2. The updated dates have been published on the official website of MCC at mcc.nic.inAlong with the new dates for Round 2, MCC has also extended the resignation facility for candidates allotted seats in Round 1. Students who wish to withdraw their seats without losing their security deposit can do so until September 3, 2025 (5 pm). After this deadline, resignations will not be accepted without penalty, making it important for students to take timely action. As per the revised counselling plan, the choice-filling for Round 2 will begin from September 5, 2025. The processing of seat allotments is scheduled to take place between September 10 and 11, and the Round 2 seat allotment result will be declared on September 12, 2025. Candidates who are allotted seats in this round will be required to report to their respective institutes between September 13 and 19, 2025. Following this, institutes will conduct verification of the data of joined candidates between September 20 and 21. In addition to the all-India counselling process, the schedule for state counselling quotas has also been revised. Students applying under state quota seats should carefully go through the updated timelines to avoid missing any deadlines. According to the new plan, Round 2 of state counselling will take place from September 4 to September 12, with the last date of joining fixed as September 19, 2025. After this, Round 3 will be conducted between September 24 and October 3, followed by verification and reporting formalities.

The revised counselling schedule is crucial for all candidates aspiring for MBBS and BDS admissions this year, as it provides a clear roadmap for the upcoming rounds of seat allotment both under the all-India and state quotas. Students are strongly advised to follow the official MCC website regularly to stay updated with any further changes or announcements.

आईटीआर भरने का मौका अब भी बाकी

20 दिन में फाइल करें रिटर्न; नहीं तो भरना होगा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी।
वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आईटीआर भरने का काम चल रहा है। आयकर विभाग ने इस साल करदाताओं को आईटीआर भरने के लिए अतिरिक्त समय दिया है।आमतौर पर इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई को समाप्त हो जाती है, लेकिन इस बार आईटीआर फाइलिंग के लिए डेढ़ महीने का समय और मिला है। हालांकि अब यह डेडलाइन भी करीब है और अब करदाताओं के पास 20 दिन से कम का समय बचा है। अगर आपने अभी तक आईटीआर नहीं भरा है, तो जल्दी भर दें, क्योंकि डेडलाइन बीतने के बाद इसके लिए आपको पेनाल्टी देना पड़ सकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बिना ऑडिट वाले करदाताओं के लिए आईटीआर भरने की अंतिम तारीख 15 सितंबर तक है। आयकर कानूनों के अनुसार, आयकर रिटर्न भरना सभी करदाताओं की जिम्मेदारी है। यह न केवल आयकर कानूनों का पालन करने के लिए आवश्यक है, बल्कि सभी आय स्रोतों की घोषणा, योग्य खर्चों में कटौती और आयकर विभाग को कर दायित्वों की रिपोर्टिंग के लिए भी जरूरी है। अगर आप 15 सितंबर तक आईटीआर नहीं भरते हैं, तो जुर्माने के साथ 31 दिसंबर तक देर से रिटर्न भर सकते हैं। देर से रिटर्न भरने पर आयकर कानून की धारा 234एफ के तहत जुर्माना लगाया जाता है। यदि आपकी कुल आय 5 लाख से ज्यादा है, तो 5,000 रुपये की पेनाल्टी लगेगी। वहीं, अगर आपकी आय 5 लाख रुपये से कम है, तो यह शुल्क 1,000 रुपये होगा।

बांग्लादेश पर बैन से मुसीबत में फैशन ब्रांड

स्टोर में हो गई कपड़ों की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में बांग्लादेश से आने वाले रेडीमेड कपड़ों पर सड़क मार्ग से रोक लगने के बाद कई बड़े ब्रांड्स को परेशानी हो रही है। मार्क्स एंड स्पेंसर, एच एंड एम, जुडियो और लाइफस्टाइल जैसे कई स्टोर्स में कपड़ों की कमी हो गई है। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि ये दिक्कत पिछले तीन महीनों से चल रही है। वहीं इस नियम से एक अच्छी खबर भी सामने आई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने 17 मई को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश में बांग्लादेश से सभी तरह के रेडीमेड कपड़े सड़क के रास्ते लाने पर रोक लगा दी गई थी।

कंपनियों ने भारत में शुरू किया प्रोडक्शन: लाइफस्टाइल, रिलायंस और आदित्य बिड़ला जैसे ज्यादातर रिटेलर्स ने बांग्लादेश पर सड़क के रास्ते बैन के बाद धीरे-धीरे भारत में ही कपड़ों का प्रोडक्शन बढ़ाना शुरू कर दिया है। यह एक अच्छी खबर है।

लाइफस्टाइल इंटरनेशनल के सीईओ देवराजन अय्यर ने कहा, हमने कुछ चीजों का प्रोडक्शन तो देश में ही शुरू कर दिया है। लेकिन कुछ चीजें हम बांग्लादेश से मंगवाते हैं, जिनमें इस नियम की वजह से देरी हो रही है। हमें आगे की प्लानिंग करनी होगी ताकि स्टोर्स में कपड़ों की सप्लाई बनी रहे और बिक्री पर कम असर पड़े। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चीफ मेंटर राहुल मेहता ने चेतावनी दी है कि शिपिंग का खर्चा बढ़ने से कपड़ों की कीमत 3-5 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

समुद्री रास्ते से आ रहे कपड़े

पहले बांग्लादेश से कपड़े सड़क के रास्ते भी आ जाते थे। लेकिन अब सिर्फ कोलकाता और मुंबई के समुद्री बंदरगाहों से ही कपड़े आ सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस नियम के बदलने से कपड़ों के आने में 2-3 हफ्ते की देरी हो रही है। खासकर सस्ते कपड़ों के मिलने में दिक्कत आ रही है। अब जब स्टोर्स में नए कलेक्शन आने का समय है और पुराने स्टॉक पर सेल चल रही है, तो ये कमी ज्यादा महसूस हो रही है। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ों का एक्सपोर्टर है।

इस बदलाव से एशियाई केमिकल और एनर्जी सेक्टर में दाम स्थिर होने की संभावना है

चीन के फैसले से मुकेश अंबानी को बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज चीन की नई पॉलिसी से बड़ा फायदा उठाने वाली है। बता दें कि चीन ने हाल ही में अपने घरेलू बाजार में कीमतों की जंग पर लगाम लगाने और प्रतिस्पर्धा को संतुलित करने के कदम उठाए हैं। इस बदलाव से एशियाई केमिकल और एनर्जी सेक्टर में दाम स्थिर होने की संभावना है, जिससे रिलायंस जैसी कंपनियों की मार्जिन और मुनाफाखोरी मजबूत होगी। मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक, ये कदम रिलायंस को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिला सकते हैं। इस बीच, मॉर्गन स्टेनली ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड पर अपना ओवरवेट रुख बरकरार रखा है और इस दिग्गज कंपनी के लिए अपने टारगेट प्राइस को पहले के 1,602 रुपये प्रति शेयर से बढ़ाकर 1,701 रुपये कर दिया है। बता दें कि आज आरआईएल के शेयर 1,381.50 रुपये पर आ गए। इसमें 2 पर्सेंट की तेजी है। बता दें कि चीन इस समय अलग-अलग उद्योगों में अत्यधिक क्षमता पर लगाम लगाने और बाजार को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। बीजिंग (चीन सरकार) इन दिनों डिफ्लेशन (मूल्य गिरने की समस्या) से जूझ रहा है। ऐसे समय में 'एंटी-इन्वॉल्यूशन' की दिशा में उठाए गए कदमों से शेयर बाजार को सहारा मिला है और निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इसके अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने आंतरिक पुनर्गठन पर भी काम कर रही है।

क्या है डिटेल

मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि चीन की एंटी-इनवॉल्यूशन पॉलिसी पेट्रोकेमिकल सेक्टर में चक्र के निचले स्तर का संकेत देती हैं। वहीं, बीजिंग द्वारा सोलर सेक्टर में ओवरकैपेसिटी कम करने के कदम रिलायंस की सोलर सप्लाई चेन के लिए बेहतर प्राइसिंग में मदद करेंगे। ब्रोकरेज फर्म का अनुमान है कि चीन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के ये प्रयास मिलकर कंपनी के लिए लगभग 20 बिलियन डॉलर का नेट एसेट वैल्यू अनलॉक कर सकते हैं।

रिलायंस की भी तैयारी

रिलायंस भारत में एक पूरी तरह से इंटीग्रेटेड सोलर सप्लाई चेन बना रहा है, ठीक उसी समय जब चीन अपनी अत्यधिक उत्पादन की वजह से पॉलीसिलिकॉन उत्पादन को कम करने पर मजबूर है। मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि इस बदलाव से रिलायंस की ऊर्जा लागत 2030 तक लगभग 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है, और कंपनी की न्यू-एनर्जी (ग्रीन एनर्जी) से होने वाली कमाई 2027 तक 13 प्रतिशत तक पहुँच सकती है। बता दें कि 29 अगस्त को हुई अपनी वार्षिक आम बैठक में रिलायंस ने बड़ा ग्रीन एनर्जी रोडमैप पेश किया। चेयरमैन मुकेश अंबानी और डायरेक्टर अनंत अंबानी ने घोषणा की कि कंपनी भारत में बड़े पैमाने पर ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स बनाएगी और भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाएगी।

दोनों कारणों से कंपनी की प्रॉफिटेबिलिटी और बाजार में पकड़ और मजबूत होने की संभावना है। जानकारों का मानना है कि इस कदम से रिलायंस इंडस्ट्रीज को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सकती है और यह आने वाले समय में कंपनी के शेयरधारकों के लिए भी सकारात्मक साबित होगा।

जिन रेल कर्मचारियों का एसबीआई में खाता उन्हें मिलेगा 1 करोड़ का दुर्घटना बीमा

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों के लिए बड़ी घोषणा की है। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एसबीआई में वेतन खाता वाले रेलवे कर्मचारियों को एक करोड़ रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक के साथ इस बारे में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया।

सीजीईजीआईएस के तहत कर्मचारियों को मिलता था बीमा कवर: अभी तक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना के तहत ग्रुप ए, बी और सी कर्मचारियों को क्रमशः केवल 1.20 लाख, 60,000 और 30,000 का कवर मिलता था। इसके समझौते के तहत कर्मचारियों को प्राकृतिक मृत्यु पर भी 10 लाख का बीमा कवर मिलेगा। इसके लिए न तो प्रीमियम देना होगा और न ही कोई मेडिकल जांच करानी होगी। मंत्रालय ने बताया कि इस एमओयू के तहत कुछ अन्य पूरक बीमा लाभ भी शामिल हैं। इनमें हवाई दुर्घटना बीमा कवर 1.60 करोड़, रुपे डेबिट कार्ड पर अतिरिक्त एक करोड़ रुपये तक, स्थायी पूर्ण विकलांगता पर एक करोड़ रुपये तक और स्थायी आंशिक विकलांगता पर 80 लाख तक का कवर शामिल है।

रेलवे के मुताबिक, लगभग सात लाख कर्मचारी जिनके वेतन खाते एसबीआई में हैं, इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता कर्मचारियों के कल्याण पर केंद्रित है, खासकर ग्रुप सी जैसे अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। यह भारतीय रेलवे और एसबीआई के बीच एक देखभाल और रचनात्मक साझेदारी को दर्शाता है।

23 साल का इंजीनियर जिसने छोड़ी 3.36 करोड़ रुपये की नौकरी?

लोगों को दिए बड़े पैकेज की जॉब के टिप्स

नई दिल्ली, एजेंसी।
जब भी किसी शख्स को 1 या 2 करोड़ के पैकेज की जॉब मिलती है तो ज्यादातर को लगता है कि उसकी लाइफ सेट हो गई। वहीं कुछ ऐसे होते हैं जिन्हें आगे बढ़ने की ललक होती है और नया सीखने का जुनून। ऐसे में वे करोड़ों के पैकेज वाली नौकरी भी छोड़ देते हैं। इन्हीं में मनोज टुमू भी शामिल हैं। 23 साल के मनोज भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर हैं। उन्होंने मार्क जकरबर्ग की कंपनी मेटा के लिए अमेजन की 3.36 करोड़ की नौकरी छोड़ दी है। इस कारण मनोज आजकल चर्चा में हैं।

आजकल टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से बदल रही है। खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बहुत विकास हो रहा है। एआई और एमएल की वजह से नए-नए काम निकल रहे हैं और लोगों को बहुत अच्छी सैलरी मिल रही है। दुनिया भर की

बड़ी कंपनियां इन फील्ड में काम करने वाले लोगों को ढूंढ रही हैं। इसलिए, जो लोग इंजीनियर बनना चाहते हैं, वे खूब मेहनत कर रहे हैं ताकि उन्हें अच्छी नौकरी मिल सके।

मनोज टुमू ने बिजनेस इनसाइडर के लिए एक आर्टिकल लिखा है। इसमें उन्होंने अपने करियर के बारे में कुछ बातें बताई हैं। वे चाहते हैं कि उनकी बातें दूसरे युवा इंजीनियरों की मदद करें। उन्होंने कहा कि पर्सनल प्रोजेक्ट से ज्यादा प्रोफेशनल एक्सपीरियंस जरूरी है। उन्होंने लिखा है कि प्रोजेक्ट शुरू में तो ठीक हैं, लेकिन बाद में उन्हें पीछे छोड़ देना चाहिए।

मनोज ने बताया कि जब उन्होंने अमेजन और मेटा में नौकरी के लिए अप्लाई किया, तो उन्होंने अपने रेज्यूमे से प्रोजेक्ट का काम हटा दिया था। उन्होंने सिर्फ अपने प्रोफेशनल एक्सपीरियंस पर ध्यान दिया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने किसी से सिफारिश नहीं करवाई थी। उन्होंने सीधे कंपनी की वेबसाइट और लिंक्डइन के माध्यम से अप्लाई किया था। उनका अच्छा रेज्यूमे ही काफी था।

इंटरव्यू की तैयारी के लिए दिए टिप्स

मनोज टुमू ने इंटरव्यू की तैयारी के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग बिहेवियरल इंटरव्यू की तैयारी नहीं करते हैं, जो कि एक गलती है। उन्होंने बताया कि कंपनी के मूल्यों के अनुसार जवाब देना बहुत जरूरी है। जब वे अमेजन और मेटा में इंटरव्यू दे रहे थे तो उन्होंने अपने जवाबों को अमेजन के लीडरशिप प्रिंसिपल्स और मेटा के कॉर्पोरेट वैल्यूज के अनुसार ढाला। मेटा में उनके इंटरव्यू में एक स्क्रीनिंग कॉल और छह हफ्तों में कोडिंग, मशीन लर्निंग और बिहेवियरल असेसमेंट के चार से छह राउंड शामिल थे।

158 तक जा जाएगा ग्रीन एनर्जी स्टॉक!

नई दिल्ली, एजेंसी।
ग्रीन एनर्जी स्टॉक आईएनओएक्स विंड के टारगेट प्राइस में ब्रोकरेज हाउस जेएम फाइनेंशियल ने बदलाव किया है।

ब्रोकरेज हाउस ने टारगेट प्राइस में इजाफा किया है। इसका असर आज आईएनओएक्स विंड के शेयरों में देखने को मिला है। कंपनी के शेयरों में 2.5 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। बीएसई में यह ग्रीन स्टॉक बढ़त के साथ 141.30 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 144.70 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था।

ब्रोकरेज हाउस आईएनओक्स विंड ने 158 रुपये का नया टारगेट प्राइस सेट किया है। पहले टारगेट प्राइस 154 रुपये सेट किया गया था। बता दें, ब्रोकरेज हाउस ने तिमाही नतीजों के बाद अर्निंग कॉल सामने आने के बाद टारगेट प्राइस में बढ़ोतरी की गई है। जेएम फाइनेंशियल ने अपनी रिपोर्ट में उम्मीद जताई है कि तीसरी तिमाही के बाद कार्य तेजी के साथ आगे बढ़ेगा। इसके अलावा कंपनी ने 1250 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू सफलता के साथ पूरा किया है। जिससे कंपनी की बैलेंस शीट और मजबूत होगी।

2 दिन में सोना 2274 और चांदी 5709 हुई महंगी

कैरेट के हिसाब से आज गोल्ड के भाव

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोने-चांदी के भाव में आज भी तेजी है। सोना 169 तो चांदी का भाव 481 रुपये चढ़ा है। इस तेजी के चलते पिछले दो दिन यानी इस सितंबर में सोना 2274 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 5709 रुपये का उछाल आया है।

आईबीजेए के रेट्स के मुताबिक आज सोना 104662 रुपये और चांदी 123281 रुपये पर खुली। अगस्त के अंतिम कारोबारी दिन को सोना 102388 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बंद हुआ था। चांदी भी 117572 रुपये प्रति किलो के रेट पर बंद हुई थी।

जीएसटी के साथ सर्राफा मार्केट में चांदी 126979 रुपये किलो हो गई है। जबकि, सोना 107801 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। आइबीजेए के मुताबिक सोमवार को चांदी बिना जीएसटी 122800 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। जबकि, सोना 104493 रुपये प्रति 10

ग्राम पर बंद हुआ था।

बता दें सोमवार को बिना जीएसटी 24 कैरेट गोल्ड पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़कर 104792 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। सर्राफा बाजारों में चांदी की कीमत भी 5678 रुपये की बंपर तेजी के साथ 123250 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई थी। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 168 रुपये चढ़कर 104243 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 107370 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है।

रोमांच से भरी ये कलाकृति बनी आयरलैंड की पहचान

आयरलैंड के शहर डबलिन में मैरले नाम का एक पार्क है। इस सार्वजनिक पार्क में बना यह चेहरा विश्वप्रसिद्ध ब्रिटिश इतिहासकार और पुरातत्वविद एगनेस कान्वे का है। इसे बनाया भी एगनेस ने ही है। एगनेस ने सेलेशटियल पहाड़ के बारे में सुना था।

उन्होंने उसके बारे में खूब खोजा लेकिन सटीक जानकारी नहीं जुटा पाई। एगनेस सिर्फ अपने ख्यालों में ही उस जादुई पहाड़ की यात्रा कर पाई। अपनी कल्पनाओं को उन्होंने डबलिन के इस पार्क में उकेर दिया। आकृति को नाम भी दिया ड्रीमिंग अबाउट द सेलेशटियल माउंटेन। अब आयरलैंड आने वाले पर्यटक एगनेस की कल्पनाओं को देखने चले जाते हैं। चीन स्थित सेलेशटियल माउंटेन अब तियान शान नाम से जाना जाता है।

500 साल पुराना वो गांव जहां दो देशों के बीच दुनिया का हुआ था बंटवारा!

एक जमाना था जब दुनिया के एक बड़े हिस्से पर अंग्रेजों का राज था। कहा जाता था कि ब्रिटिश साम्राज्य में सूरज नहीं अस्त होता। मगर, उस दौर में भी दुनिया का एक बड़ा हिस्सा ऐसा था, जहां अंग्रेजों का नहीं, दूसरे यूरोपीय देशों का राज था। मध्यकाल में यूरोपीय देश स्पेन का दुनिया के एक बड़े हिस्से पर राज हुआ करता था।

खास तौर से अमेरिकी महाद्वीपों पर। आज के अमेरिका और कनाडा को छोड़ दें तो, बाकी अमेरिकी महाद्वीप पर स्पेन का ही राज था। कमोबेश पूरे के पूरे दक्षिण अमेरिका में स्पेनिश ही बोली जाती है, सिवा एक देश के और इस देश का नाम है ब्राजील। सवाल ये है कि ऐसा क्यों था? जब पूरा का पूरा दक्षिण अमेरिका स्पेनिश बोलता है, तो ब्राजील में पुर्तगाली क्यों बोली जाती है?

लैटिन अमेरिका में ब्राजील ऐसा देश है, जो पुर्तगाल का उपनिवेश था। बाकी दक्षिणी अमेरिका, स्पेन के साम्राज्य का हिस्सा था। ब्राजील और बाकी अमेरिका की किस्मत का फैसला एक छोटे से गांव में हुआ था। ये गांव आज के स्पेन के वलाडोलिड सूबे में पड़ता है। इस गांव का नाम है टॉर्डेसियास। यहीं पर 1494 में स्पेन और पुर्तगाल के बीच समझौता हुआ था। जिसके तहत दोनों देशों ने नई दुनिया को आपस में बांटा था। ये नई दुनिया आज के अमेरिकी महाद्वीप थे। इनकी तलाश इटली के नाविक क्रिस्टोफर कोलंबस ने की थी। हालांकि कोलंबस, भारत की तलाश में स्पेन के खर्च पर रवाना हुए थे, मगर वो पहुंच गए अमेरिका।

स्पेन का दक्षिण अमेरिका से नाता

टॉर्डेसियास आज गांव नहीं बल्कि छोटा सा शहर बन गया है। ये डुएरो नदी के किनारे स्थित है। बेहद औसत दर्जे का ये शहर नई और पुरानी विरासतों का मेल है। यहां पुराने जमाने की कई इमारतें हैं। भले ही स्पेन में इस शहर को लोग न जानते हों, मगर लैटिन अमेरिका में बहुत से लोगों को इस शहर के बारे में पता है। इतिहासकार बताते हैं कि ये शहर मध्य काल में छोटा सा गांव था। इसके आस-पास से कई अहम रास्ते गुजरते थे, इसी वजह से पुर्तगाल और स्पेन के राजाओं ने इस जगह को इतने अहम समझौते के लिए चुना। यहां पर पुराने राजमहल और दूसरी शानदार इमारतें भी थीं। ये भी समझौते के लिए इस कस्बे को चुनने की बड़ी वजह थी। पंद्रहवीं सदी के आखिर में आज का स्पेन किंगडम ऑफ कस्टील के नाम से जाना जाता था। इसके एक हिस्से पर अरागॉन सल्तनत थी। वहीं पड़ोस में पुर्तगाल स्थित था। जब कोलंबस अमेरिका का पहला सफर करके लौट रहे थे, तो समुद्री तूफान की वजह से कोलंबस को अपने जहाज पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में रोकने पड़े। मजबूरन कोलंबस को नई दुनिया की अपनी खोज के बारे में पुर्तगाल के राजा जॉन द्वितीय को बताना पड़ा।

पुर्तगाल और स्पेन के बीच 1479 में पोप की मध्यस्थता से एक समझौता हुआ था। इसके तहत जॉन द्वितीय को लगा कि नई दुनिया जिसे कोलंबस ने खोजा है, वो उसके अधिकार क्षेत्र में आती है। उसने फौरन उसे अपना इलाका घोषित कर दिया। इसी दौरान कोलंबस के साथ गए नाविक मार्टिन अलोंसो पिन्जोन ने नई दुनिया की खोज की खबर स्पेन तक पहुंचा दी। इसके बाद स्पेन के राजा फर्डीनेंड और महारानी इजाबेला ने अपने हरकारे पोप के पास दौड़ाए। पोप ने अपने आदेश के तहत अटलांटिक के आर-पार एक लाइन खींची और कहा कि इसके पूरब का हिस्सा पुर्तगाल का होगा और पश्चिमी हिस्से पर स्पेन का राज होगा। असल में पोप अलेक्जेंडर षष्ठम, स्पेन के ही रहने वाले थे। इसीलिए उन्होंने स्पेन के हक में ये फरमान जारी कर दिया। इससे नाराज पुर्तगाल ने स्पेन के खिलाफ जंग की तैयारी शुरू कर दी। पुर्तगालियों को अपने अफ्रीकी उपनिवेशों और अटलांटिक महासागर स्थित अपने जजीरों की फिक्र थी। लेकिन जिस तरह पोप ने अटलांटिक महासागर में लाइन खींचकर बंटवारा किया था, उससे तो पुर्तगाल के अफ्रीका जाने के रास्ते भी मुश्किल में पड़ते दिख रहे थे। इसीलिए पुर्तगाल ने स्पेन के खिलाफ जंग की तैयारी शुरू कर दी।

उस वक्त स्पेन को मालूम था कि वो समुद्री जंग में पुर्तगाल से नहीं जीत सकता। इसीलिए उसने सुलह का रास्ता अपनाया। इसी दौरान कोलंबस अमेरिका के अपने दूसरे सफर पर रवाना हो गए। वहां उन्होंने दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप की खोज की, लेकिन उसका गलत नक्शा बनाकर स्पेन और पुर्तगाल को खबर की। कोलंबस को नहीं मालूम था कि जॉन ने पोप के नए फरमान को कमोबेश मान लिया था।

इसीलिए कोलंबस ने स्पेन को फायदा पहुंचाने की नीयत से नई दुनिया के नक्शे में झूठे हेर-फेर करके खबर की। नतीजा ये हुआ कि ब्राजील का पूर्वी तट पुर्तगाल के हिस्से में आया। स्पेन के राजा फर्डिनेंड और महारानी इजाबेला भी इस बात पर राजी हो गए, क्योंकि उन्हें मालूम ही नहीं था कि जिस लाइन को वो पुर्तगाल के साथ मान रहे हैं, उसके पार भी कोई जमीन है। इसी गलत नक्शे की बुनियाद पर पुर्तगाल और स्पेन के बीच सन 1494 में टॉर्डेसियास का समझौता हुआ। लेकिन सन 1500 में पुर्तगाली नाविक पेड्रो अल्वारेज ब्राजील के तट पर जा पहुंचे। उन्होंने इस पर अपने देश के राजा का हक बताया। बाद के कुछ बरसों के भीतर पुर्तगाल ने दक्षिण अमेरिका के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। पुर्तगाल के हिस्से वाला हिस्सा कमोबेश आज का ब्राजील है। यही वजह है कि जहां ज्यादातर दक्षिण अमेरिकी देशों में स्पेनिश बोली जाती है, वहीं ब्राजील में पुर्तगाली जबान बोली जाती है। और इसकी एतिहासिक वजह स्पेन का टॉर्डेसियास शहर है, जो आज से पांच सौ साल पहले एक गांव हुआ करता था और इसी गांव में पुर्तगाल और स्पेन के बीच नई दुनिया का बंटवारा हुआ था।

टोर्डेसीलस की संधि क्या थी?

टॉरडेसिलस की संधि स्पेन और पुर्तगाल के राज्यों के बीच यूरोप के बाहर की भूमि की खोज और विजय के अधिकारों के बारे में एक समझौता था। दुनिया को अटलांटिक महासागर में स्थित एक उत्तर-दक्षिण रेखा द्वारा विभाजित किया गया था, जो उत्तर-पश्चिमी अफ्रीकी तट से दूर पुर्तगाली-नियंत्रित केप वर्डे द्वीप समूह के पश्चिम में 370 लीग (लगभग 1100 मील) दूर है। इस समझौते के तहत, स्पेन रेखा के पश्चिम में सभी गैर-ईसाई भूमि पर स्वामित्व का दावा कर सकता था, और पुर्तगाल अकेले रेखा के पूर्व में सभी गैर-ईसाई भूमि पर दावा कर सकता था। पोप अलेक्जेंडर VI ने 1494 में इस समझौते की मध्यस्थता की थी, ताकि अफ्रीकी तट और नई दुनिया के अन्वेषणों के परिणामस्वरूप प्रतिद्वंद्वी राज्यों के बीच उत्पन्न विवादों को सुलझाया जा सके। दो इबेरियन राज्यों को निर्देश दिया गया था कि वे अपने सामने आने वाले गैर-ईसाइयों को रोमन कैथोलिक धर्म में परिवर्तित करें और जो लोग इसके अधीन नहीं होंगे, उन्हें गुलाम बनाने का अधिकार दिया गया।

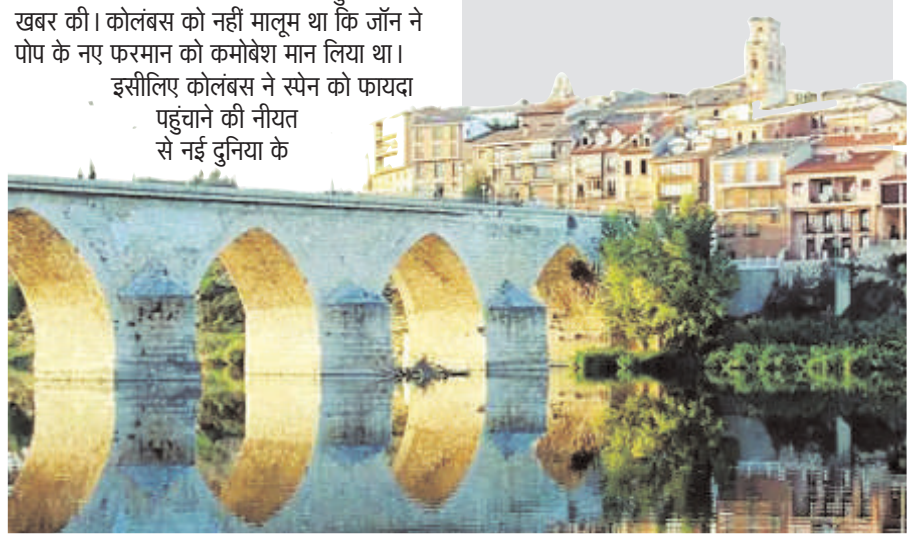

40 गुफाओं वाला चीन का मंदिर

चीन के झांगए गांसु में 1600 साल पुराने स्थित हॉर्सशू मंदिर की गिनती चीन के एतिहासिक स्थलों में की जाती है। ये मंदिर तीन चीनी पारंपरिक धर्म बौद्ध, कन्फ्यूशियस और ताओ के मिलाप के लिए जाना जाता है। चाइनीज़ आर्किटेक्चर का अध्ययन करने वाले लोगों के लिए ये एक प्रमुख केन्द्र है। इस मंदिर की खासियत ये है कि यहां पर चालीस अलग अलग गुफाएं हैं, जो दूसरे से जुड़ी हुई है। इस अनोखे प्रकार के मंदिर को देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं।

इंडोनेशिया का ये चर्च अपने आकार से करता है सबको हैरान

इंडोनेशिया के जंगलों में बना ये चर्च अपनी आकृति के चलते लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ हैं। घने जंगलों के बीच मौजूद इस चर्च का निर्माण डेनियल आलम्सजाह ने करवाया था। हांलाकि इसे धर्म के लोगों की साधना के केन्द्र के तौर पर बनाया गया था। मगर इसका मकसद पूर्ण नहीं हो सका। एक चिकेन के आकार में तैयार किए गए इस चर्च की आकृति हर तरफ से एक पक्षी की भांति दिखती है। इस चर्च को सन् 1990 में जावा द्वीप पर मैगेलांग जंगल में उंची पहाड़ी पर बनाया गया था। मगर आर्थिक संकट के चलते चर्च का निर्माण पूरा नहीं हो पाया था। मानव रचनात्मकता के इस बेजोड़ नमूने को देखने के लिए लोग दूर दूर से यहां आते हैं। डेनियल आलम्सजाह का कहना है कि उन्होंने सपने में भगवान को देखा, जिन्होंने उसे पक्षी के आकार का धार्मिक स्थान बनवाने का आदेश दिया था, जो किसी उंची पहाड़ी पर स्थापित हो। उसके बाद उन्होंने चर्च बनाने का काम शुरू कर दिया था।

ऐसे देश, जहां नहीं है मच्छर का नामोनिशान

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में ऐसे भी कुछ देश हैं, जहां इस छोटे से मच्छर का नामोनिशान तक नहीं है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ देशों के बारे में -

न्यू कैलेडोनिया

कई द्वीपों की चेन को मिलाकर बना न्यू कैलेडोनिया दुनिया का सबसे लंबा आइलैंड है। चारों ओर फैला नीला समुद्र, कैरल रीफ और दूर-दूर तक फैली सफेदी मन को लुभा देती है। यहां ऐसे बहुत से पौधे और जानवर मिलते हैं, जो बहुत कम पाए जाते हैं। यहां का तापमान हमेशा इतना गर्म बना रहता है कि साल भर आराम से सिर्फ टी-शर्ट पहनकर रहा जा सकता है। यह टूरिस्ट की पसंदीदा जगह है। यहां बड़ी तादाद में टूरिस्ट आते हैं। इसके अलावा यह जगह स्कूबा डाइविंग सीखने के लिए एक बेस्ट प्लेस है और साल भर यहां लोग स्कूबा डाइविंग सीखने आते रहते हैं।

आइसलैंड

हरी-भरी वादियों, ग्लेशियर और हजारों किमी लंबे समुद्र तट वाला यह देश काफी खूबसूरत है। यह अपने गर्म झरनों (ज्वालामुखी के कारण) के लिए भी मशहूर है। इसे कल्चर और आर्ट का सेंटर माना जाता है। यहां की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और यहां कई ऐसे ज्वालामुखी हैं, जो यूरोप के एयर ट्रैफिक में रुकावट पैदा कर सकती हैं। यह काफी ठंडा देश है और सर्दियों में यहां बहुत स्नोफॉल होता है, जिसकी वजह से यहां मच्छर नहीं पनप पाते हैं।

फ्रेंच पॉलिनेशिया

साउथ पैसेफिक में स्थित द्वीपों का यह समूह दुनिया के कुछ सबसे अलग-थलग वाले इलाकों में से एक है। यहां का सबसे पॉपुलर आइलैंड ताहिती है। यहां की कुल आबादी करीब ढाई लाख से अधिक है। आधिकारिक भाषा फ्रेंच है और टूरिज्म रोजगार का सबसे बड़ा जरिया है। यहां कुछ ऐसे बड़े-बड़े केकड़े पाए जाते हैं, जो नारियल को भी तोड़ सकते हैं। इसलिए थोड़ा सावधान रहना जरूरी है। इसकी खासियत ये है कि यहां मच्छरों की संख्या न के बराबर है।

आइसलैंड की पीली नदी में देखने को मिलता है अद्भुत नज़ारा

प्रकृति कितनी रंगबिरंगी है, आइसलैंड की पीली नदी से पता चलता है। आइलैंड की पीली नदी का नज़ारा बड़ा अद्भूत है।

इस नदी को थजोर्स रिवर के नाम से भी पहचाना जाता है। इस जगह पर पीली नदी के साथ आपको नीला समुद्र, हरे-भरे मैदान और काली रेत वाले बीच दिख जाएंगे। यानी एक ही जगह पर एक साथ इन रंगों का नज़ारा देखने को मिल सकता है। यह खूबसूरत नज़ारा दक्षिण के होफ और दक्षिण-पूर्ण में स्थित कलकाफेल टाउन के बीच के इलाके में देखने को मिलता है। यह पीली नदी आइसलैंड की सबसे लंबी नदी मानी जाती है। इस नदी की लंबाई 5,464 किमी है।

यूएस ओपनः

क्वार्टर फाइनल में अनिसिमोवा, ओसाका ने गॉफ को चौंकाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन में अमांडा अनिसिमोवा ने बीट्रिज हद्दाद माइया को सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अनिसिमोवा ने पहले ही गेम में हद्दाद माइया की सर्विस तोड़ी और उसके बाद उनका खेल और तेज हो गया। उन्होंने हद्दाद माइया को कोई मौका नहीं दिया। बेहतरीन सर्विस करते हुए कोर्ट पर गहरी और सटीक टू-हैंडेड बैकहैंड शॉट्स लगाए। दूसरा सेट ज्यादा प्रतिस्पर्धी था। अनिसिमोवा को अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ यूएस ओपन प्रदर्शन को जारी रखने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हद्दाद माइया की सर्विस फिर से शुरुआती गेम में टूटी, लेकिन लगातार सात गेम गंवाने के बाद उन्होंने एक ब्रेक हासिल किया। हालांकि, अनिसिमोवा ने तुरंत वापसी की, चौथे गेम में ब्रेक प्वाइंट से बचते हुए गेम को संभाला और हद्दाद माइया के धैर्य के बावजूद, आखिरी गेम में फिर ब्रेक लेकर जीत सुनिश्चित की। साल 2019 में रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंची चुकीं अनिसिमोवा ने हद्दाद माइया पर जीत के साथ अपना ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 42-22 कर लिया। इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 35-14 तक सुधार लिया।

बुब्लिक को हराकर लगातार 8वीं बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में सिनर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इटली के जैनिक सिनर ने अलेक्जेंडर बुब्लिक को शिकस्त देकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली, जहां उनका सामना हमवतन लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। सिनर लगातार आठवें ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वर्ल्ड नंबर 1 और गत यूएस ओपन चैंपियन सिनर ने बुब्लिक के खिलाफ 6-1, 6-1, 6-1 से जीत हासिल की। ??यह मुकाबला 81 मिनट तक चला। इस मुकाबले में बुब्लिक ने 13 डबल फॉल्ट किए। उन्होंने कुल 31 अनफोर्स्ड एरर किए।

24 वर्षीय सिनर लगातार आठवें ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं। पिछली बार सिनर को इस चरण से पहले 2023 यूएस ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्हें चौथे राउंड में अलेक्जेंडर ज्वेरेव के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। सिनर का सामना 10वीं वरीयता प्राप्त म्युसेटी से होगा। पहली बार किसी प्रमुख टूर्नामेंट में सिर्फ इतालवी पुरुषों का एकल क्वार्टर फाइनल होगा। वर्ल्ड नंबर 1 सिनर इस भिड़ंत में 2-0 के एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ उतरेंगे। जैनिक सिनर ने मुकाबले से पहले कहा, यह देखना बहुत अच्छा है। इतालवी टेनिस इस समय शानदार फॉर्म में है। हमारे पास इतने सारे खिलाड़ी हैं, इतनी सारी अलग-अलग खेल शैलियां हैं। उन्होंने कहा, लोरेंजो मुसेट्टी शायद हमारे सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एक इतालवी खिलाड़ी के नजरिए से, सेमीफाइनल में एक इतालवी खिलाड़ी का होना यकीनन बहुत अच्छी बात है।

राशिद खान ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

➲ टी20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। यूएई और अफगानिस्तान के बीच ट्राई सीरीज का तीसरा मुकाबला शारजाह क्रिकेट ग्राउंड में बीते 1 सितंबर को खेला गया। इस मैच को अफगानिस्तान ने 38 रन से अपने नाम कर लिया। अफगानिस्तान के कप्तान और स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने यूएई के खिलाफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पीछे छोड़ दिया। 26 साल के राशिद खान ने यूएई के खिलाफ 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने एथन डीसूजा आसिफ खान और ध्रुव पराशर का शिकार किया। इसी के साथ राशिद खान टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 98 मैचों में 165 विकेट ले लिए हैं। राशिद खान ने न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउदी को पीछे छोड़ यह बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

राशिद खान- 165
टिम साउदी- 164
ईश सोढ़ी- 150
शाकिब अल हसन- 149
मुस्ताफिजुर रहमान- 142

मिचेल स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। 33 वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। कमिंस को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद से आराम दिया गया है। उनकी कमर में भी दर्द है इसलिए नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला की तैयारी के मद्देनजर उन्हें आराम दिया है। स्टार्क एशेज, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और 2027 वनडे विश्व कप के लिये पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया। स्टार्क ने कहा, 'टी20 से संन्यास लेने का कारण तरोताजा और फिट बने रहना है। इससे गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा। आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, 'मिचेल को अपने टी20 करियर पर गर्व होना चाहिए। वह विश्व कप 2021 विजेता टीम का प्रमुख सदस्य था। अच्छी बात यह है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलता रहेगा।

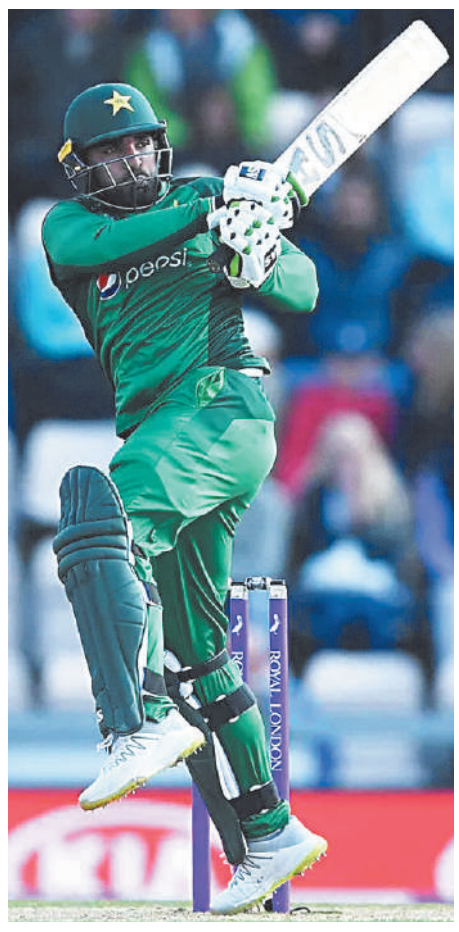

पाकिस्तान के पावर-हिटर आसिफ अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तानी बल्लेबाज आसिफ अली ने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। पाकिस्तान के मध्यक्रम बल्लेबाज आसिफ अली ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। क्रिकेट के मैदान पर अपने मुल्क की सेवा करना मेरे लिए सबसे गर्व की बात है। आसिफ अली ने समर्थकों का आभार जताते हुए कहा, अपने फैंस, साथियों और कोच का शुक्रिया, जिन्होंने हर उतार-चढ़ाव में मुझे प्यार, भरोसा और समर्थन दिया। अ

पने परिवार और दोस्तों का भी धन्यवाद, जो मेरे साथ खुशियों में और मुश्किल घड़ियों में खड़े रहे, खासकर विश्व कप के दौरान मेरी प्यारी बेटी के निधन जैसी त्रासदी में, उनकी मजबूती ने मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी। उन्होंने लिखा, मैं अपार कृतज्ञता के साथ संन्यास लेता हूं। मैं आगे भी घरेलू और दुनियाभर की लीग क्रिकेट खेलकर अपने खेल के प्रति जुनून को साझा करता रहूंगा। आसिफ अली ने अप्रैल 2018 में अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पाकिस्तान की ओर से 21 वनडे मुकाबलों में 25.46 की औसत के साथ 382 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन अर्धशतक देखने को मिले। वहीं, 58 टी20 मुकाबलों में दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 15.18 की औसत के साथ 577 रन अपने खाते में जुटाए। उनका इस्तेमाल मुख्य रूप से एक फिनिशर और पावर-हिटर के रूप में किया गया।

क्रेग मैकमिलन बने न्यूजीलैंड महिला टीम के फुल टाइम असिस्टेंट कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेग मैकमिलन को न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम का फुल टाइम असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया है। वह न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और बल्लेबाजी कोच, बेन सॉयर और डीन ब्राउनली के साथ व्हाइट फर्न्स के बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण विभागों का जिम्मा संभालेंगे। उनकी नियुक्ति आधिकारिक तौर पर इसी सप्ताह से होगी। इस भूमिका के तहत मैकमिलन अपना पूरा समय न्यूजीलैंड महिला टीम और विमेंस प्लेयर्स ऑफ इंटरेस्ट कार्यक्रम को समर्पित करेंगे। इस बीच वह कमेंट्री और अन्य कोचिंग प्रतिबद्धताओं से कुछ समय के लिए दूर रहेंगे। क्रेग इससे ठीक एक साल पहले पार्ट-टाइम कॉन्ट्रैक्ट पर टीम से जुड़े थे। मैकमिलन 2024 में यूएई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप खिताबी जीत के दौरान टीम के साथ थे।

मैकमिलन यह जिम्मेदारी पूर्णकालिक रूप से संभालने पर बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, व्हाइट फर्न्स के साथ इस भूमिका में होना मेरे लिए बेहद खास है। महिला क्रिकेट लगातार मजबूत हो रहा है। मैं हमारी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करते रहने के लिए उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, पिछला साल बहुत जल्दी बीत गया। मुझे उस टीम का हिस्सा होने का हर पल बहुत अच्छा लगा, जो लगातार बेहतर होती जा रही है, एक-दूसरे को चुनौती देती है और विश्व मंच पर खास प्रदर्शन करती है। मैकमिलन ने बताया कि विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप को लेकर न्यूजीलैंड की तैयारियां जोरों पर हैं। व्हाइट फर्न्स ने आगामी विश्व कप की तैयारी के लिए अगस्त में चेन्नई में ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया, ताकि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों के अनुरूप ढल सकें। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है।

1 अक्टूबर को टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। न्यूजीलैंड का अगला मुकाबला 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका से होगा। इसके बाद टीम 10 अक्टूबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड की विमेंस वर्ल्ड कप टीम की घोषणा 10 सितंबर को होगी।

यूएई के कप्तान ने तोड़ा रोहित शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड, टी-20 इंटरनेशनल में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान रोहित शर्मा का एक बड़ा टी20 इंटरनेशनल रिकॉर्ड टूट गया है. उनके नाम इस फॉर्मेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड था. जिसे यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम ने तोड़ दिया है. रोहित के नाम टी20 इंटरनेशनल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा 105 छक्के लगाने का रिकॉर्ड था. लेकिन, अब वसीम ने कल खेले गए अफगानिस्तान के खिलाफ एक टी20 मैच में बतौर कप्तान 110 छक्के जडने का रिकॉर्ड बना लिया. उन्होंने अफगानी टीम के खिलाफ 6 छक्के लगाकर यह मुकाम हासिल किया. मुहम्मद वसीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ 37 गेंदों में 67 रन की पारी खेली. लेकिन बावजूद उसके टीम को 38 रन से हार झेलनी पडी.

वसीम की कप्तानी पारी टीम के नहीं आई काम

यूएई में खेली जा रही टी20 ट्राई सीरीज के तीसरे मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को 38 रन से हराया. यूएई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. अफगान टीम ने बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 4 विकेट खोकर 188 लगाए. टीम के लिए सेदिकुल्लाह अटल (54 रन) और इब्राहिम जादरान (63 रन) की अर्धशतकीय पारी खेली. लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम सिर्फ 150 रन पर ही सिमट गई. टीम की ओर से कप्तान मुहम्मद वसीम ने 67 रन और राहुल चोपड़ा ने नाबाद 52 रन बनाए. अफनिस्तान के लिए राशिद खान और शरफुद्दीन अशरफ ने 3-3 विकेट झटके.

मैं जैसा सोशल मीडिया पर था, असल में वैसा नहीं हूं

अहान पांडे अपनी पहली फिल्म सैयारा से स्टार बन गए। उनकी परफॉमस को काफी पसंद किया गया और फिल्म ने बॉक्स फिल्म में ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की। फिल्म के प्रमोशन के दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने अहान को टिकटॉकर बताया था। अब अहान ने कहा... जब मैं इंस्टाग्राम पर सक्रिय था, तो उस पर मेरा व्यक्तित्व वैसा नहीं था जैसा मैं असल में था। यह वैसा था जैसा मुझे लगता था कि फिल्म बिरादरी का ध्यान आकर्षित करने के लिए मुझे बनना होगा, ताकि मुझे काम मिल सके। यह एक ऐसा व्यक्तित्व है जिसे मैंने अपनाया। सैयारा के अपने किरदार कृष के बारे में बात करते हुए अहान पांडे ने आगे कहा... यह ऐसा किरदार नहीं है जिसके बारे में मैंने सोचा था कि मैं करूंगा। मैं जो ऑडिशन देता था वह ज्यादा सॉफ्ट, मजेदार, एनर्जी और पॉजिटिविटी से भरपूर पड़ोस के लड़के जैसा होता था।

डूमस्क्रॉलिंग पर परिणीति चोपड़ा ने जताई चिंता

तकनीक और सोशल मीडिया के तमाम फायदे हैं, मगर इसके अपने नुकसान भी हैं। डूमस्क्रॉलिंग यानी सोशल मीडिया पर लगातार नेगेटिव कंटेंट और खबरों के स्क्रॉलिंग की आदत। फिर चाहें वह हमारी चिंता और तनाव की वजह बन रही हो। परिणीति ने हाल ही में इस आदत पर चिंता जताते हुए पोस्ट शेयर किया है। परिणीति चोपड़ा ने आज को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक स्टोरी शेयर की है। इसमें लिखा है, एक दिन हम डूमस्क्रॉलिंग को उसी नजर से देखेंगे जैसे आज सिगरेट को देखते हैं। लत लगाने वाला, विनाशकारी, और ऐसा कुछ जिस पर हमें यकीन ही नहीं होता कि हमने कभी इतनी लापरवाही से ऐसा किया था। परिणीति चोपड़ा जल्द मां बनने वाली हैं। वे और राघव चड्ढा अपनी पहली संतान का स्वागत करने को तैयार हैं। हाल ही में परी ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की। बता दें कि राघव चड्ढा और परिणीति ने साल 2023 में शादी रचाई।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में हमेशा के लिए बंद किए जाएंगे 31 मोहल्ला क्लीनिक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक सेल ने सोमवार को किराए के भवन व विभिन्न इलाकों में पोर्टा केबिन में बने 31 मोहल्ला क्लीनिक को बंद करने का आदेश जारी किया है। एक माह के भीतर ये मोहल्ला क्लीनिक हमेशा के लिए बंद किए जाएंगे। डीजीएचएस ने सभी मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारियों को इस आदेश पर अमल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। डीजीएचएस की ओर से जारी आदेश के अनुसार जिन मोहल्ला क्लीनिक को बंद करने का आदेश जारी किया गया है उनमें 17 मोहल्ला क्लीनिक विभिन्न इलाकों में सड़क किनारे पोर्टा केबिन में बने हैं। इन मोहल्ला क्लीनिकों में डॉक्टरों की कमी है। इसके अलावा इनमें से कई मोहल्ला क्लीनिक के नजदीक आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू किए जा चुके हैं। इस वजह से इन मोहल्ला क्लीनिकों में चिकित्सा सेवाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं। यह कारण बताते हुए इन मोहल्ला क्लीनिक को बंद करने का आदेश दिया गया है। जिला नोडल अधिकारियों को इन मोहल्ला क्लीनिकों में उपलब्ध चिकित्सा सामान, फर्नीचर व दवाओं की सूची तैयार करने के लिए कहा गया है। ये सामान नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में भेजे जाएंगे। इन क्लीनिकों के कर्मचारियों को सीडीएमओ दूसरे मोहल्ला क्लीनिक में नियुक्त करेंगे।

भारत में बनेंगे पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 लड़ाकू विमान? रूस ने शुरू कर दी तैयारी

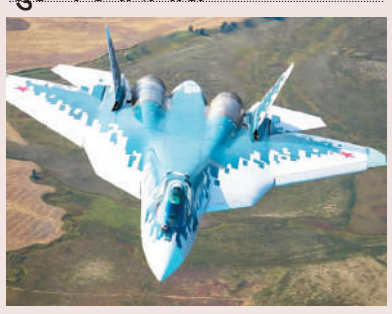

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस भारत में अपने पांचवीं पीढ़ी के सुखोई एसयू-57 फाइटर जेट के निर्माण के लिए संभावित निवेश योजनाओं का अध्ययन कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ के बीच भारत और रूस के रिश्ते पहले से ज्यादा मजबूत हुए हैं। ऐसे में रूस का ताजा कदम रिश्तों नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। बता दें कि भारतीय वायुसेना ने कम से कम दो से तीन स्क्वाड्रन पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की आवश्यकता जताई है, जिसमें रूस का एसयू-57 और अमेरिका का एफ-35 प्रमुख दावेदार हैं। रक्षा सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), जो पहले से ही नासिक में रूसी मूल के एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों का निर्माण करता है, वह एसयू-57 के उत्पादन के लिए एक संभावित केंद्र बन सकता है। यदि यह योजना मूर्त रूप लेती है, तो भारत में अन्य फैसिलिटी भी एसयू-57 के उत्पादन में उपयोग की जा सकती हैं। इससे लागत में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। इन फैसिलिटीज में पहले से रूसी मूल के उपकरणों का निर्माण होता है। रूसी एजेंसियां वर्तमान में भारत में इस विमान के निर्माण के लिए आवश्यक निवेश के स्तर का आकलन कर रही हैं। यह चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत की भारी टैरिफ लगाने के साथ-साथ रूसी तेल आयात के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है। इसके बावजूद, नई दिल्ली और मॉस्को के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध लगातार गहरे हो रहे हैं। हाल के दिनों में, भारत ने रूस से एडवांस वायु रक्षा प्रणालियों जैसे एस-400 और एस-500 की मांग की है, जबकि मॉस्को भारत को एसयू-57 फाइटर जेट खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। लगभग एक दशक पहले भारत रूसी फिफ्थ जेनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम का हिस्सा था, लेकिन मतभेदों के कारण उसने इससे बाहर निकलने का फैसला किया था। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए इस परियोजना को दोबारा खड़ा किया जा सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका भारत को अपने एफ-35 फाइटर जेट की पेशकश कर रहा है। इस बीच, भारत अपने स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट पर भी काम कर रहा है, जिसके 2028 तक पहली उड़ान भरने और 2035 तक कमीशन होने की उम्मीद है। रूस ने न केवल एसयू-57 के निर्माण में सहयोग की पेशकश की है, बल्कि उसने भारत को इस विमान के पूर्ण सॉफ्टवेयर कोड तक पहुंच और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का भी प्रस्ताव दिया है, जो भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप है रूस का यह प्रस्ताव भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर हो सकता है, जो न केवल इसकी वायु शक्ति को मजबूत करेगा, बल्कि स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को भी बढ़ावा देगा। यह कदम भारत-रूस रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है, साथ ही भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में भी योगदान दे सकता है।

बाढ़ से बचाव की तैयारी, दिल्ली में यमुना किनारे रखी जाएंगी रेत की बोरियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में आज भी भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। गुरुग्राम में मंगलवार को स्कूलों और दफ्तरों को ऑनलाइन मोड में चलाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर मंगलवार सुबह खतरे के निशान को पार कर गया। दिल्ली के पुराने रेलवे ब्रिज पर आज सुबह 9 बजे यमुना नदी का जलस्तर बढ़कर 205.81 मीटर हो गया और यह लगातार बढ़ रहा है। यहां खतरे का निशान 205.33 मीटर पर है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में सोमवार को हुई जबरदस्त बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगातार बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में ऊफान पर आ गई है। वहीं, सरकार ने निचले इलाके में रहने वाले लोगों को घर खाली करने की चेतावनी जारी कर दी है। यमुना का जलस्तर बढ़ने से आज सुबह यमुना बाजार, मॉनेस्ट्री मार्केट, ओल्ड उस्मानपुर गांव और बुराड़ी खादर में बाढ़ का पानी भर गया। हालात को देखते हुए लोगों ने यहां से पलायन करना शुरू कर दिया है। गुरुग्राम में कल बारिश के चलते सड़कों पर हुए जलभराव के बाद कई किलोमीटर लंबा जाम देखने को मिला। वहीं, नोएडा, गाजियाबाद और

फरीदाबाद भी बारिश और जलभराव से बेहाल नजर आए। दिल्ली में यमुना नदी के उफान पर होने के कारण ओखला बैराज के सभी गेट खोल दिए गए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि इस बीच, मंगलवार सुबह दिल्ली के पुराने रेलवे ब्रिज पर यमुना नदी का जल स्तर बढ़कर 205.80 मीटर हो गया, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया है। नदी में बढ़ते जलस्तर से शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़कर 205.80 मीटर पर पहुंचा: दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि मंगलवार सुबह दिल्ली के पुराने रेलवे ब्रिज (लोहा पुल) पर यमुना नदी का जलस्तर बढ़कर 205.80 मीटर हो गया, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया है। इस बढ़ोतरी से शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश के बाद गुरुग्राम शहर के कुछ हिस्सों में जलभराव होने से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गुरुग्राम सेक्टर 10 के दृश्य गंभीर जल जमाव को दर्शाते हैं, जिससे सामान्य जीवन बाधित हो रहा है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से मॉनेस्ट्री मार्केट तक पानी पहुंच गया है। नहीं, ओल्ड उस्मानपुर गांव में भी पानी भर गया है।

निक्की का मायके से पहले ससुराल में श्राद्ध, भाभी को भरोसा- विपिन नहीं हत्यारा

नई दिल्ली, एजेंसी। सिरसा गांव में दहेज के लिए विवाहिता निक्की की जलाकर हत्या करने के मामले में पुलिस की जांच प्रक्रिया तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। पुलिस को विवेचना पूरी करने के लिए फोरेंसिक जांच रिपोर्ट का इंतजार है। इसके बाद पुलिस जांच प्रक्रिया पूरी कर चार्जशीट फाइल करेगी।

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में 21 अगस्त की शाम दहेज के लिए विवाहिता निक्की की जलाकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में निक्की की बहन कंचन की तरफ से आरोपी पति विपिन, सास, ससुर और जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया था। पुलिस सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस द्वारा इस मामले की विवेचना की जा रही है। पुलिस ने घटना से जुड़े हुए सभी साक्ष्य एकत्र किए हैं।

इसके साथ ही पीड़ित पक्ष के बयान दर्ज किए गए हैं, इसमें आरोपी पक्ष के कुछ लोगों के भी बयान दर्ज हुए हैं। पुलिस का दावा है कि जांच प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है, हालांकि अभी इसमें फॉरेंसिक की जांच रिपोर्ट के आने का इंतजार किया जा रहा है। इन जांच रिपोर्ट को भी विवेचना में शामिल किया जाएगा। इसके बाद जल्द से जल्द पुलिस इस प्रकरण में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल करेगी।

सिरसा गांव में सोमवार को निक्की की तेरहवीं की रस्म पूरी की गई। इसके लिए शोक सभा का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने निक्की की फोटो पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। ग्रामीणों का कहना है कि निक्की का सिरसा में अंतिम संस्कार किया गया था। ऐसे में परिवार का फर्ज बनता है कि उसकी तेरहवीं भी वहीं होनी चाहिए। सोमवार को निक्की के ससुर

की दुकान पर शोक सभा का आयोजन किया गया। परिवार और गांव के लोगों ने निक्की को श्रद्धांजलि दी। निक्की हत्याकांड को लेकर उसकी भाभी मनीषा भी काफी चर्चा में है। मनीषा का दावा है कि विपिन निक्की को काफी प्यार करता था। ससुराल में भी विपिन की काफी इज्जत थी। दरअसल, निक्की की भाभी मनीषा का उसके पति रोहित से विवाद चल रहा है। मनीषा का आरोप है कि उसे दहेज के लिए ससुराल पक्ष के लोगों ने छोड़ रखा है। निक्की हत्याकांड के बाद से मनीषा भी चर्चा में है। मनीषा ने अपनी ससुराल पक्ष के लोगों पर चुटकी लेते हुए कहा की विपिन को ससुराल में काफी मान सम्मान मिलता था। ससुराल में उसे विप्पु नाम से पुकारते थे। निक्की हत्याकांड को लेकर उसकी भाभी मनीषा भी काफी चर्चा में है। मनीषा का दावा है कि विपिन निक्की को काफी प्यार करता था। ससुराल में भी विपिन की काफी इज्जत थी। दरअसल निक्की की भाभी मनीषा का उसके पति रोहत से विवाद चल रहा है।

बाइक लेकर यूईआर-2 मत चले जाइएगा; पुलिस काट देगी चालान, 24 पर हो चुका ऐक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में खुले अर्बन एक्सटेंशन रोड- पर बाइक और मोटरसाइकिल चलाने वालों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को दो अधिकारियों ने बताया कि रविवार को कम से कम 24 लापरवाह बाइकर्स पर जुर्माना लगाया गया, क्योंकि इन वाहनों को दिल्ली और हरियाणा को जोड़ने वाले इस कई लेन वाले रास्ते पर चलने की अनुमति नहीं है। पुलिस ने कहा कि ज्यादातर मोटरसाइकिल चालक इस सड़क का इस्तेमाल मौज-मस्ती करने और रील्स बनाने के लिए कर रहे हैं।

एक अधिकारी ने बताया, हमने यूइआर-2 के उस हिस्से पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया है जो नजफगढ़ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है, ताकि अचानक जांच की जा सके और इस रास्ते पर चलने वाले बाइकर्स पर जुर्माना लगाया जा सके। इस अभियान के दौरान, हमने कम से कम 24 दोपहिया वाहनों को रोका और उनके चालकों का चालान किया। उनमें से कुछ बाइकर ग्रुप्स के सदस्य थे, जो आमतौर पर वीकेंड पर अपनी लाखों की स्पोर्ट्स बाइक पर मौज-मस्ती के

लिए निकलते हैं। उन पर कोई और कार्रवाई नहीं की गई और छोड़ दिया गया।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया कि उन्होंने इस रोड पर दोपहिया वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही के कारण एक विशेष अभियान चलाने का फैसला किया है। डीसीपी सिंह ने कहा, चूंकि यूइआर-2 को दोपहिया वाहनों के लिए प्रतिबंधित रखा गया है, इसलिए नियमों का उल्लंघन रोकना जरूरी है। इसीलिए, रविवार को यह विशेष अभियान चलाया गया था। हम भविष्य में भी दोपहिया वाहनों के खिलाफ सरप्राइज चेकिंग करते रहेंगे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को नियम तोड़ने वालों के लिए तीन तरह के चालान जारी किए गए। पहला चालान नो-एंट्री के उल्लंघन के लिए 20,000 का था, जो पहली बार उल्लंघन करने पर लगाया गया। बाकी दो चालान खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के उल्लंघन के लिए थे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने पर कोर्ट चालान होता है, जबकि ऋष्ट के उल्लंघन पर पहली बार पकड़े जाने पर 5,000 और दोबारा पकड़े जाने पर 10,000 का जुर्माना लगता है।

दिल्ली-एनसीआर में पहले से सस्ता मिलेगा कश्मीरी सेब

ÌæÁæ Öè â

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की आजादपुर मंडी तक जल्द ही कश्मीरी सेब ट्रेन से पहुंचने लगेंगे। उत्तर रेलवे ने कश्मीर के बड़गाम से आजादपुर मंडी के पास बने आदर्श नगर रेलवे स्टेशन तक पार्सल ट्रेन (जॉइंट पार्सल प्रोडक्ट-रैपिड कार्गो सर्विस) चलाने की योजना बनाई है। इस ट्रेन के माध्यम से न केवल सेब, बल्कि ड्राई फ्रूट, कालीन, बैट एवं अन्य सामान भी भेजा जा सकेगा। इस ट्रेन का परिचालन इसी माह से शुरू होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार दिल्ली से श्रीनगर तक रेल मार्ग बनाया जा चुका है। इसके बनने से कश्मीर के कई महत्वपूर्ण इलाके रेल नेटवर्क से जुड़ गए हैं। श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन भी प्रतिदिन किया जा रहा है। इस रेल लाइन का इस्तेमाल कारोबार की दिशा में भी बढ़ाने का काम रेलवे द्वारा किया जा रहा है। इस कड़ी में अब रेलवे कश्मीर से दिल्ली के बीच पार्सल वैन गाड़ी शुरू करने जा रही है। यह ट्रेन रोजाना दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन से बड़गाम तक चलेगी। फिलहाल इसमें 10 से 12 पार्सल कोच रखे जाएंगे।

रेलवे सूत्रों ने बताया इस ट्रेन के परिचालन से कश्मीरी सेब जब आजादपुर मार्केट में पहुंचेंगे, तो दिल्ली-एनसीआर में सेब के दामों में भी गिरावट देखने को मिलेगी। अभी के समय में कश्मीर से सेब व अन्य सामान सड़क मार्ग से आता है। इसमें कई बार 5 से 7 दिन का समय लगता है। कई बार रास्ते में ही फल खराब हो जाते हैं। इसके चलते मंडी तक पहुंचने में सेब या अन्य सामान महंगा हो जाता है, लेकिन अब कश्मीर से चला सेब महज 18 से 20 घंटे में आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पहुंच जाएगा।

भारत ने फिर दिखाई दरियादिली! भूकंप से तबाही के बीच पड़ोसी देश के लिए बढ़ाया मदद का हाथ

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में बीते दिनों आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने देश में भारी तबाही मचाई है। अफगानिस्तान के जलालाबाद में हालात काफी खराब हैं। इस भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 1,100 तक पहुंच गया है, जबकि 3,500 से अधिक लोग घायल हैं। इस आपदा में अब तक मरने वालों का आंकड़ा बचाव और राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं, लेकिन मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

यह भूकंप इतना भयानक था कि इसने घरों, सड़कों और अन्य ढांचों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया। कई गांव पूरी तरह से तबाह हो गए हैं, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए हैं। भूकंप के बाद भी कई आफ्टरशॉक्स महसूस किए गए, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने का काम जारी है। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया है। कई घायलों की हालत गंभीर है, जिससे मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। इस मुश्किल घड़ी में भारत ने अफगानिस्तान को तुरंत मदद भेजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया था और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अफगान विदेश मंत्री से बात की थी। भारत ने अफगानिस्तान में 1,000 परिवारों के लिए टेंट और 15 टन खाद्य सामग्री भेजी है।

एक्टर का निधन, पीछे छोड़ गए 1 मिलियन डॉलर की संपत्ति

टोरंटो , एजेंसी। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ग्राहम ग्रीन का 73 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। लंबे समय से बीमार चल रहे ग्राहम ने टोरंटो के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की जानकारी उनके एजेंट माइकल ग्रीन ने पुष्टि की और कहा कि ग्राहम एक ऐसे व्यक्ति थे जिनमें नैतिकता, सिद्धांत और चरित्र की झलक दिखती थी। उनका जाना हॉलीवुड के लिए एक बड़ी क्षति है। ग्राहम ग्रीन ने 1979 में टीवी शो 'द ग्रेट डिटेक्टिव' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जिसने उन्हें पहचान दिलाई। उन्होंने न केवल अपनी मेहनत से हॉलीवुड में अपना मुकाम बनाया, बल्कि अन्य विदेशी कलाकारों के लिए भी रास्ता खोलने में मदद की। उनके अभिनय की तारीफें लगातार होती रहीं और उन्होंने कई यादगार भूमिकाएं निभाई। उनका विश्वव्यापी लोकप्रियता का

शिखर 'डांस विद वोल्व्स' फिल्म से आया, जिसने 12 ऑस्कर नामांकन और 7 ऑस्कर अवॉर्ड्स हासिल किए थे। इस फिल्म ने उनकी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। समय के सबसे सम्मानित अभिनेताओं में से एक थे और उन्होंने सिनेमा जगत में अमिट छाप छोड़ी। उनके निधन के साथ एक युग का अंत हुआ है, लेकिन उनकी काबिलियत और काम हमेशा याद किए जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ग्राहम ग्रीन ने अपने जीवनकाल में लगभग 1 मिलियन डॉलर की संपत्ति बनाई जो उनकी मेहनत और समर्पण है।

कड़ी निगरानी में होगी चीन की सैन्य परेड? पहली बार दिखेंगे नए हथियार

बीजिंग , एजेंसी। चीन की राजधानी बीजिंग में एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन होने जा रहा है। इस परेड में चीन अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने जा रहा है और कई नए हथियारों को पहली बार दुनिया के सामने पेश करेगा। इस आयोजन को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें टिकी हुई हैं, खासकर इसलिए क्योंकि इसे ताइवान के प्रति चीन की आक्रामक नीति और क्षेत्रीय वर्चस्व की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

चीन की राजधानी बीजिंग में बुधवार को होने वाली भव्य सैन्य परेड में देश के मिसाइल, लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य उपकरण पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे। परेड में सैनिक राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने कदम-से-कदम मिलाकर मार्च करेंगे। शी चिनफिंग लंबे समय से सत्ता पर काबिज कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हैं और केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सेना के भी मुखिया हैं। शी द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित होने वाली इस परेड में भाषण देंगे। परेड में 24 से अधिक विदेशी नेता शामिल होंगे, जो

बीजिंग सरकार के साथ संबंध बनाए रखने या सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। परेड में कई हथियार पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाए जाएंगे।

चीनी सैन्य अधिकारियों ने कहा है कि परेड में हथियारों और उपकरणों का बड़ा जखीरा पहली बार जनता के सामने पेश किया जा रहा है। इनमें जमीन, समुद्र और वायु से छोड़े जाने वाले रणनीतिक हथियार, उन्नत सटीक युद्ध उपकरण और ड्रोन शामिल हैं। युद्धक विमान और हेलिकॉप्टर आकाश में बेड़े के रूप में उड़ान भरेंगे। यह चीन में 2019 के बाद पहली प्रमुख सैन्य परेड है, जब साम्यवादी चीन की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मनाई गई थी। इस बार की परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। द्वितीय विश्व युद्ध ने चीन को तबाह कर दिया था।

इस परेड का उद्देश्य जनता में गर्व की भावना भरना और उन्हें आश्वस्त करना है कि देश किसी भी हमले को रोकने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत है। लेकिन चीन की बढ़ती सैन्य ताकत उसके एशियाई पड़ोसियों और अमेरिका के लिए चिंता का विषय भी है। जापान, भारत और दक्षिण कोरिया के नेताओं के साथ ही अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के राष्ट्राध्यक्ष इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति समेत कई विदेशी नेता इसमें भाग ले रहे हैं। कई दक्षिण-पूर्व एशियाई नेता भी परेड में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। हालांकि, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने अपने देश में हो रहे प्रदर्शनों के कारण यात्रा रद्द कर दी। यह कार्यक्रम अत्यधिक योजनाबद्ध तरीके से और कड़ी निगरानी में आयोजित किया जा रहा है। यह ऐसी परेड नहीं है जिसे देखने के लिए आम जनता सड़कों के किनारे इकट्ठा हो सके। आम जनता के प्रवेश को रोकने के लिए अवरोधक लगाए गए हैं और परेड मार्ग के साथ स्थित व्यावसायिक इमारतों को खाली कर दिया गया है और परेड समाप्त होने तक बंद रखा गया है। ज्यादातर लोग इसे टेलीविजन या सजीव प्रसारण के जरिए ही देख सकते हैं। चीन और ताइवान के बीच दशकों पुराना विवाद इस परेड के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और बार-बार कहता रहा है कि वह इसे बलपूर्वक भी अपने नियंत्रण में ले सकता है। इस परेड को कई विश्लेषकों ने ताइवान के प्रति एक स्पष्ट चेतावनी के रूप में देखा है। इसके पीछे कई कारण हैं। दरअसल चीन ने हाल के वर्षों में ताइवान के आसपास सैन्य गतिविधियों को तेज किया है। 2025 में ही ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कई बार चीनी युद्धपोतों, विमानों, और ड्रोनों की घुसपैठ की सूचना दी। उदाहरण के लिए, फरवरी 2025 में चीन ने ताइवान के दक्षिणी तट से 74 किलोमीटर दूर लाइव-फायर अभ्यास किया, जिसे ताइवान ने अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन बताया। ताइवान के राष्ट्रपति ने बार-बार अपनी स्वतंत्रता और लोकतंत्र की रक्षा की प्रतिबद्धता जताई है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंधी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।